संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 104
पृष्ठ 8
गुरुवार
01 जनवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– सर्दियों में सेहत का खजाना है पाया....

विचार– उन्नाव पीड़िता को थोड़ी राहत ...

खेल– क्या हुआ विश्व चैंपियन डेमियन...

अयोध्या के शौर्य, वैभव व पराक्रम के आगे नहीं टिका कोई दुश्मन–योगी

- श्रीरामलला की प्राण–प्रतिष्ठा की वर्षगांठ 'प्रतिष्ठा द्वादशी' में शामिल हुए सीएम
- कुछ लोगों ने अयोध्या को भी बना दिया था उपद्रव और संघर्ष का अड्डा

लखनऊ, संवाददाता। श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला की प्राण–प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ 'प्रतिष्ठा द्वादशी' आज श्रद्धापूर्वक मनाई गई। सीएम योगी आदित्यनाथ व रक्षामंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए। सीएम ने अंग्रेजी नववर्ष 2026 की शुभकामना देते हुए प्रार्थना की कि यह वर्ष सभी के लिए मंगलकारी हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या ने स्वतंत्र भारत में रामजन्मभूमि आंदोलन के अनेक पड़ाव देखे हैं। अयोध्या के नाम से ही अहसास होता है कि यहां कभी युद्ध नहीं हुआ। कोई भी दुश्मन यहां के शौर्य, वैभव व पराक्रम के आगे टिक नहीं पायालेकिन कुछ लोगों ने अपने स्वार्थ, मजहबी जुनून व सत्ता के तुष्टिकरण की निकृष्टता में पड़कर अयोध्या को भी उपद्रव और संघर्ष का अड्डा बना दिया था। सीएम योगी ने पिछली सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि जिस अयोध्या में कभी संघर्ष नहीं होता था, उस अयोध्या में पिछली सरकारों के शासन में आतंकी हमले होते थे। अयोध्या को लहुलूहान करने का प्रयास हुआ था, लेकिन जहां प्रभु की कृपा बरसती हो जहां हनुमानगढ़ी में स्वयं हनुमान जी विराजमान हैं, वहां कोई आतंकी कैसे घुस जाता। 2005 में जैसे ही आतंकियों ने दुस्साहस किया, तैसे ही पीएसी के जवानों ने ठक–ठक करके उन्हें मार गिराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्ष के अंदर तीन महत्वपूर्ण घटनाओं को अयोध्या कभी विस्मृत नहीं कर सकती। स्वतंत्र भारत में पहली बार 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री का अयोध्या में आगमन हुआ। उन्होंने उस दिन यहां श्रीराम मंदिर का भूमि पूजन किया। 22 जनवरी 2024 पौष शुक्ल द्वादशी को फिर अयोध्या धाम आकर प्रधानमंत्री ने रामलला की भव्य मूर्ति की प्राण–प्रतिष्ठा कार्यक्रम को संपन्न किया। 25 नवंबर को विवाह पंचमी पर प्रधानमंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर के मुख्य शिखर पर सनातन धर्म की भगवा ध्वजा को प्रतिष्ठित किया और संदेश दिया कि सनातन से ऊपर कोई नहीं। सनातन का पताका हमेशा ऐसी ही दिखाई देगी। यूपी के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए और संगठन के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए राजनाथ सिंह की श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में प्रत्यक्ष भूमिका रही है। 500 वर्ष के बाद श्रीराम जन्मभूमि पर प्रभु रामलला के विराजमान होने और मंदिर के इस भव्य स्वरूप को देखकर वे आनंद–गौरव की अनुभूति कर रहे हैं। आंदोलन में सक्रिय भूमिका का निर्वहन करने वाले रक्षा मंत्री जी प्रतिष्ठा द्वादशी पर जब मां अन्नपूर्णा के मंदिर पर सनातन धर्म की ध्वजा का आरोहण कर रहे थे तो मैंने उन्हें भावुक होते देखा है। सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले बिजली, पानी, स्वच्छता, सड़क, कनेक्टिविटी, सुरक्षा भी नहीं थी। जयश्रीराम बोलने पर लाठी और गिरफ्तारी होती थी, लेकिन अयोध्या के संदेश को आगे बढ़ाने के लिए देश–दुनिया का हर सनातन धर्मावलंबी अब यहां दर्शन करके अभिभूत होता है। पहले कुछ लाख लोग यहां आते थे, लेकिन पिछले पांच साल में 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालु अयोध्या आए। देश में अब हर जगह जयश्रीराम और राम–राम बोल सकते हैं। अब भारत सरकार की योजना भी 'जी राम जी' के नाम पर आ गई है। यह रोजगार की सबसे बड़ी स्कीम बनने जा रही है। कोई भी बेरोजगार कहेगा कि मुझे अपनी ग्राम पंचायत में रोजगार चाहिए तो उसे साल में 125 दिन रोजगार की गारंटी गांव में ही मिल जाएगी। हमारी पीढ़ी सौभाग्यशाली है। पांच सौ वर्ष के इतिहास का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 1528 से लेकर 1992 और इसके उपरांत भी अयोध्या में हर 20–25 वर्ष में राम मंदिर को वापस लेने के लिए राम भक्त लगातार संघर्ष करता रहा। वह रूका, झुका और बैठा नहीं। उसने सत्ता, दमन, लाठी व गोली की परवाह नहीं की बल्कि वह लड़ता रहा।

राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठः पीएम मोदी बोले -

यह हमारी आस्था का दिव्य उत्सव

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर सभी नागरिकों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह वर्षगांठ हमारी आस्था और परंपराओं का एक दिव्य उत्सव है। पीएम मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि पिछले महीने फहराया गया धर्म ध्वज पहली बार राम लल्ला की प्रतिमा की स्थापना का साक्षी बन रहा है। एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा कि आज अयोध्या जी की पवित्र भूमि पर राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ मनाई जा रही है। यह वर्षगांठ हमारी आस्था और परंपराओं का एक दिव्य उत्सव है। इस पवित्र और पावन अवसर पर, देश और विदेश के सभी राम भक्तों की ओर से, भगवान श्री राम के चरणों में करोड़ों प्रणाम और नमन! सभी देशवासियों को मेरी असीम शुभकामनाएं। मोदी ने आगे कहा कि भगवान श्री राम की असीम कृपा और आशीर्वाद से अनगिनत राम भक्तों का पांच शताब्दी पुराना संकल्प पूर्ण हुआ है। आज राम लल्ला एक बार फिर अपने भव्य निवास में विराजमान हैं, और इस वर्ष अयोध्या का धर्म ध्वज बारहवें दिन राम लल्ला की प्रतिष्ठा का साक्षी है। यह मेरा सौभाग्य है कि पिछले महीने मुझे इस ध्वज की पवित्र स्थापना में भाग लेने का शुभ अवसर मिला। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कामना की कि सदाचार के प्रतीक राम लल्ला की प्रेरणा प्रत्येक नागरिक के हृदय में सेवा, समर्पण और करुणा की भावना को गहरा करे, जो एक समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की मजबूत नींव बने। इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतिष्ठा द्वादशी और राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में पूजा–अर्चना की। राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अन्नपूर्णा मंदिर में ध्वजारोहण किया और हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजा–अर्चना की। राम लल्ला प्रतिमा का अनावरण 22 जनवरी, 2024 को श्प्राण प्रतिष्ठा समारोहश् में किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में एक घंटे तक अनुष्ठान संपन्न हुए। समारोह का नेतृत्व उन्होंने ही किया। प्रतिष्ठा द्वादशी पटोत्सव के दूसरे दिन, श्री राम जन्मभूमि मंदिर में यज्ञ समारोहों के अंतर्गत विभिन्न अनुष्ठान संपन्न किए गए। इनमें तत्व कलश, तत्व होम, मन्यु सूक्त होम, राम तारक मंत्र होम और अन्य पवित्र अनुष्ठान शामिल थे।

अयोध्या में रक्षामंत्री राजनाथ , बोले-

सदियों की प्रतीक्षा के पूर्ण होने का उत्सव है प्रतिष्ठा द्वादशी

- जिन्होंने रामकाज में अवरोध खड़े किए उनकी स्थिति दुनिया देख रही

अयोध्या, संवाददाता। अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित 'प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह' में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह वही अयोध्या है, वही भूमि है, जो वर्षों तक रक्तरंजित रही, जिसने अपने राम के लिए, अपने राजा के लिए, अपने आराध्य के लिए, असहनीय प्रतीक्षा की। जिसने अपमान सहे, पीड़ा सही लेकिन फिर भी अपनी आस्था को डगमगाने नहीं दिया। आज जब प्रभु श्रीराम के आगमन के दो वर्ष पूर्ण होने पर हम सभी यहां साक्षी बने खड़े हैं तो यह उन सदियों की प्रतीक्षा के पूर्ण होने का उत्सव है। दो वर्ष पूर्व पौष, शुक्लपक्ष की द्वादशी को जो प्राण प्रतिष्ठा हुई थी वह केवल रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा नहीं थी, अपितु वह एक लंबे समय के बाद भारत के जनमानस में पुनः हुई आध्यात्मिक प्राण प्रतिष्ठा थी। हमारे प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि आज इस देश में जो कुछ भी हो रहा है और आने वाले कुछ वर्षों में इस देश में जो कुछ भी होगा वह भविष्य के हजार वर्षों की नींव रखेगा।

कार से 150 किलो अमोनियम नाइट्रेट बरामद, दो लोग गिरफ्तार

टोंक, एजेंसी। राजस्थान के टोंक जिले की पुलिस ने एक कार से 150 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री, 200 कारतूस और सेफ्टी फ्यूज तार के छह बंडल जब्त कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि यह विस्फोटक सामग्री अरावली क्षेत्र में अवैध खनन स्थलों पर विस्फोट के लिए ले जाई जा रही थी। उसने बताया कि जब्त सामग्री के स्रोत, इसे कहां ले जाया जा रहा था, संभावित उपयोग और किसी आपराधिक नेटवर्क से संबंधों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। आरोपियों की पहचान बूंदी जिले के निवासी सुरेंद्र पटवा और सुरेंद्र मोची के रूप में हुई है। टोंक पुलिस उपाधीक्षक (नगर) मृत्युंजय मिश्रा ने बताया कि आरोपी विस्फोटक सामग्री को बूंदी से टोंक ले जा रहे थे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग–52 (टोंक–जयपुर) पर गश्त के दौरानजब पुलिस ने उन्हें पकड़ा तो आरोपियों ने दावा किया कि वे बोरियों में कृषि उपयोग के लिए खाद ले जा रहे हैं। हालांकि, तलाशी लेने पर बोरियों में खाद के बजाय अमोनियम नाइट्रेट पाया गया।

गीत

वर्ष का आगाज क्या, उन्माद कैसा ?
हम जहां पर थे
वहीं पर आज तक हैं
हिंस्र, आदमखोर ,वहशी औ दरिंदे।
आज भी असहाय
बेबस ताकते हैं
आसमानी स्वप्न को पाले परिंदे।
गिद्ध बाजों की नजर में चुभ रहा है
हर कबूतर व्योम में , आजाद कैसा ?

भीड़ चारों ओर
पर तन्हाइयों का
कोहरा साँसों में जमता जा रहा सा।
तीव्रवेगी वाहनों के
शोरगुल में
मौन का संगीत थमता जा रहा सा।
मुस्कुराहट को चुकाना पड़ रहा है
आँसुओं का ब्याज, फिर आहलाद कैसा ?

दर्द , पीड़ाएँ वही
अवसाद लेकिन
नित नए साँचों में ढलकर आ रहे हैं ।
नीति निर्धारक
कुटिल विश्लेषणों में
हर सरल से प्रश्न को उलझा रहे हैं ।
प्रश्नवाचक चिह्न हर चेहरे पे लेकिन
हर जुबाँ खामोश,चुप, संवाद कैसा ?

– डा0 अवनीश यादव
प्रांतीय शिक्षा सेवा संवर्ग
उत्तर प्रदेश

इलाहाबादी साहित्यिक अड्डा, लिटरेरी क्लब की बैठक संपन्न

प्रयागराज। सारस्वत सभागार, लूकरगंज में प्रयागराज के साहित्यकारों की सरपरस्ती में 'इलाहाबादी साहित्यिक अड्डाश लिटरेरी क्लब का गठन किया गया। गठन के बाद सर्वसम्मति से उस्ताद अनवार अब्बास को क्लब का अध्यक्ष एवं डॉ०प्रदीप चित्रांशी को सचिव तथा रंजन पाण्डेय, आदित्य नारायण सिंह को उपाध्यक्ष, उमेश श्रीवास्तव को उपसचिव एवं फरमूद इलाहाबादी को कोषाध्यक्ष, विजयलक्ष्मी विभा को महिला कार्यकारी अध्यक्ष का कार्यभार सौपा गया।

क्लब के गठन के बाद इलाहाबादी साहित्यिक अड्डा के तत्त्वावधान में प्रयागराज के इलाहाबादी मिजाज पर चर्चा हुई। चर्चा के अध्यक्ष अनवार अब्बास ने कहा कि यह एक बोलता हुआ शहर है जिसका अपना अन्दाज है। दुश्मन से भी वार्ता करते समय पूछ लेता है कि 'कइसे मनबोश। 'कइसे मनबो' के अन्दर का सूफियाना अन्दाज यहीं की बोली में है। डॉ० प्रदीप चित्रांशी ने कहा कि कस बे, काबे एक बहुप्रचलित शब्द है, पिता–पुत्र, मित्र, भाई बन्धु के बीच बोला जाता है। संबंध ही इसके अर्थ को परिभाषित करते हैं। आदित्य सिंह ने इलाहाबाद के हॉस्टल के इलाहाबादी अदबी को विस्तार से साझा किया। विजय लक्ष्मी विभा ने कहा कि सुख–दुख दोनों में इलाहाबाद का अन्दाज कुछ इस तरह है कि 'जो कुछ आता है जीवन में, गीत बना कर गा देती हूँ।' नवीन सिन्हा ने शहर के पुराने इलाकों में बोली जाने वाली बोली की सुन्दर तस्वीर खींची। उमेश श्रीवास्तव ने कटरा के टी स्टाल पर बोली जाने वाली बोली का विस्तृत बखान किया। सुलेमान अहमद ने कहा कि यहाँ कि बोली दिलो में जोश भर देती है जो अन्यत्र दिखाई नहीं देता। इसके अलावा फरमूद इलाहाबादी,शरत श्रीवास्तव, केशब सक्सेना आदिक चर्चा में शामिल रहे। अन्त में विजय लक्ष्मी विभा ने आभार ज्ञापित किया।

प्रयागराज में सास की हत्या करने वाला दामाद गिरफ्तार

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में सरेआम अपनी सास के सिर में गोली मारकर हत्या करने वाले दामाद मो. इरफान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। करेली थाने की पुलिस के साथ ही अन्य टीमें इरफान की तलाश में छापेमारी कर रही थीं। बुधवार को पुलिस ने इरफान को दबोच लिया। उसके पास से हत्या में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद किया गया है। पत्नी चांदबीवी से विवाद के बाद इरफान का अपने ससुराल वालों से झगड़ा चल रहा था। इरफान की पत्नी कई साल से मायके में रह रही थी। इरफान उसे जबरन ले जाना चाहता था। चांदबीवी की मां यानि इरफान की सास आशिया खातून (55) इसका विरोध कर रही थीं। 26 दिसंबर को इरफान सास को खींचते सड़क पर लाया और फिर सिर में गोली मारकर हत्या कर फरार हो गया था। इरफान की पत्नी का आरोप है कि इरफान उससे सेक्स रैकेट चलवाना चाहता था। इसी का विरोध करने पर उसने सास को मार डाला था। अकबरपुर पुरानी मस्जिद के पास आशिया खातून (55) तीन बेटी और चार बेटे के साथ रहती थीं। आशिया खातून के पति मुश्ताक अहमद माली की कई साल पहले मौत हो चुकी है। बेटी रिजवाना, फरजाना और चांद बीवी है। चांद बीवी सबसे छोटी है। चार बेटों में नौशाद, मुन्ना, इरशाद और दिलशाद हैं। बेटी चांद बीवी ने 15 साल पहले मो. इरफान से लव मैरिज की थी। उनके एक बेटी, एक बेटा है। अकबरपुर का रहने वाला इरफान 2019 में सऊदी अरब से लौटा था। वह वहां वेल्डिंग का काम करता था। सऊदी से लौटने के बाद उसने 2020 में चांद बीवी से शादी कर ली। फिर सऊदी नहीं गया। प्रयागराज में रहकर वेल्डिंग का काम करने लगा। इरफान और चांद बीवी में विवाद हुआ, तो वह मायके में मां के पास रहने लगी। इरफान का पत्नी से झगड़ा चल रहा है। इसी बात को लेकर आज इरफान फिर अपनी ससुराल आया। वहां पर झगड़ा होने लगा। विवाद के बाद इरफान सास को घसीटते हुए घर के बाहर सड़क पर ले आया और उसके सिर में गोली मार दी। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, हालांकि तब तक आरोपी भाग चुका था। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है।

प्रयागराज में लेटे हनुमान के दर्शन को उमड़ी भीड़

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में साल 2025 के अंतिम दिन संगम तट पर स्थित लेटे हुए हनुमान जी के दर्शन के लिए बुधवार सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शहर के कोतवाल कहे जाने वाले इस मंदिर में रात 12 बजे से शुरू हुआ दर्शन–पूजन देर शाम तक जारी रहने की संभावना है। माघ मेले से पहले ही संगम तट पर भक्ति का माहौल देखा गया। श्रद्धालुओं का मानना है कि साल के अंतिम दिन लेटे हनुमान जी के दर्शन और संगम स्नान करने से नए साल में सुख–समृद्धि आती है और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इसी आस्था के साथ महिलाओं, बुजुर्गों और दूर–दराज से आए भक्तों की लंबी कतारें मंदिर परिसर के बाहर लगी रहीं। इस अवसर पर दूर–दराज के राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। गुजरात के राजकोट से आए एक दंपति ने बताया कि वे 24 दिसंबर से धर्म यात्रा पर निकले थे। उन्होंने कहा, पहले जगन्नाथ पुरी गए, फिर वाराणसी और आज अंतिम दिन संगम स्नान कर बड़े हनुमान जी के दर्शन किए। ऐसा लगता है जैसे भगवान ने खुद साल के आखिरी दिन हमें यहां बुलाया है। दंपति ने नए साल में परिवार की सुख–समृद्धि और शांति की कामना की। प्रयागराज की एक स्थानीय महिला श्रद्धालु ने बताया कि उन्हें साल के आखिरी दिन हनुमान जी के दर्शन बहुत अच्छे से हुए। उन्होंने अपने भाई और भाभी को भी दर्शन कराए। महिला ने कामना की कि आने वाले साल में भगवान सभी को खुश रखें और हर परिवार की मनोकामनाएं पूरी करें। संगम तट पर सुबह से ही बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस–प्रशासन भी सक्रिय रहा।

बांग्लादेश में हिन्दू हत्या पर भड़कीं हर्षा रिछारिया

प्रयागराज (संवाददाता)। पूछेगा इतिहास एक दिन कि बताओ धर्म का दोषी कौन रहा? तो मुस्कुराना और कहना– जब तक खुद पर नहीं बीती, तब तक हर हिंदू मौन रहा। ये कहना है सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और सनातन प्रचारक हर्षा रिछारिया का। हर्षा रिछारिया का यह बयान उस समय आया है, जब बांग्लादेश में तीसरे हिंदू की हत्या की खबरें सामने आ रही हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर 28 सेकेंड का एक वीडियो शेयर किया है। हर्षा रिछारिया के वीडियो में बांग्लादेश और भारत में हुई हिंदुओं की हत्या की तस्वीरें दिखाई गई हैं। वीडियो की शुरुआत एक सवाल से होती है। इसमें उन लोगों को श्रद्धांजलि दी गई है, जिन्होंने बिना किसी अपराध के अपनी जान गंवाई।

माघ मेला 2026

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि माघ मेला-2026 के दौरान परिचालनिक कारणों से पूर्व अधिसूचित गाड़ी सं. 22550/22549 प्रयागराज-गोरखपुर वन्देभारत एक्सप्रेस को फाफामऊ स्टेशन तक शार्ट टर्मिनेट/ओरिजेनेट किया गया था, जिसे संशोधित कर लखनऊ जं. तक करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

रेलगाड़ी का शार्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन

गाड़ी संख्या	स्टेशन से - स्टेशन तक	शार्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
22550	प्रयागराज-गोरखपुर	लखनऊ जं. से प्रस्थान 18:25	13.01.26 से 25.01.26
22549	गोरखपुर-प्रयागराज	लखनऊ जं. पर आगमन 10:20	13.01.26 से 25.01.26

नोट:– ट्रेन से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं० 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

माघ मेला 2026 रेलवे टोल फ्री नं० 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 2529/25(DG)

माघ मेला 2026

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा मेले में आने वाले अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए माघ मेला 2026 के दृष्टिगत निम्नलिखित अनारक्षित रिंग रेल सेवा रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:

दिनांक 02.01.2026 से 17.02.2026 तक चलने वाली अनारक्षित रिंग रेल सेवा रेलगाड़ी

गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान का समय	स्टेशन तक	आगमन का समय	मार्ग के अन्य स्टेशनों पर ठहराव
04109	गोविंदपुरी	15:45	गोविंदपुरी	07:00	बिंदकी रोड, फतेहपुर, खागा, सिराथु, भरवारी, प्रयागराज, नैनी, शंकरगढ़, बरगढ़, डभौरा, मानिकपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, अतर्रा, बांदा, रागौल, भरूआ सुमेरपुर, हमीरपुर रोड, घाटमपुर, भीमसेन
04110	गोविंदपुरी	07:30	गोविंदपुरी	21:30	

नोट:- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

माघ मेला 2026 रेलवे टोल फ्री नं० 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 2485/25 (D)

नए साल से 54 ट्रेनों का टाइम बदल जाएगा

प्रयागराज, झांसी और आगरा मंडल की ट्रेनें होंगी प्रभावित, 1 जनवरी से नई समय सारणी लागू

प्रयागराज (संवाददाता)। नए साल के पहले दिन से उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के प्रयागराज, झांसी और आगरा मंडलों में चलने वाली 54 ट्रेनों के आगमन और प्रस्थान समय में बदलाव किया जा रहा है। इन ट्रेनों के समय में 5 से 20 मिनट तक का अंतर होगा। इनमें प्रयागराज मंडल की 19 प्रमुख ट्रेनें शामिल हैं, जिनमें संगम एक्सप्रेस, कालिंदी एक्सप्रेस, प्रयागराज–लालगढ़ एक्सप्रेस और प्रयागराज–डॉ. अंबेडकरनगर एक्सप्रेस प्रमुख हैं।

रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पहले ट्रेन के अपडेटेड समय की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें। इसके लिए यात्री एनटीईएस (NTES) ऐप या रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर कॉल कर सकते हैं, ताकि किसी तरह की असुविधा से बचा जा सके।

उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने मंगलवार को प्रयागराज, झांसी और आगरा मंडलों के लिए नई कार्य संचालन समय–सारणी का औपचारिक रूप से विमोचन किया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह नई समय–सारणी 1 जनवरी 2026 से प्रभावी होगी।

रेलवे का कहना है कि इस बदलाव का उद्देश्य ट्रेन परिचालन को अधिक सुगम, लचीला और समयबद्ध बनाना है। नई समय–सारणी से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलने की उम्मीद है, विशेष रूप से छोटे स्टेशनों और ग्रामीण क्षेत्रों में सफर करने वाले यात्रियों को इसका लाभ मिलेगा।

प्रमुख ट्रेनों के समय में बदलाव

प्रयागराज मंडल की कुछ महत्वपूर्ण ट्रेनों के समय में निम्नलिखित संशोधन किए गए हैं:–

14164 मेरठ सिटी–सूबेदारगंज संगम एक्सप्रेस : प्रयागराज जंक्शन पर आगमन अब सुबह 8:30 बजे के बजाय 8:25 बजे होगा (5 मिनट पहले)।

14118 भिवानी जंक्शन–प्रयागराज जंक्शन कालिंदी एक्सप्रेस : आगमन समय 12:55 बजे के स्थान पर 12:50 बजे (5 मिनट पहले)।

12403 प्रयागराज–लालगढ़ एक्सप्रेस : प्रस्थान रात 11:05 बजे होगा (पहले से संशोधित)।

14116 प्रयागराज–डॉ. अंबेडकरनगर एक्सप्रेस : प्रस्थान दोपहर 3:20 बजे के बजाय 3:10 बजे (10 मिनट पहले)।

ये बदलाव कुल 54 ट्रेनों पर लागू होंगे, जिनमें प्रयागराज मंडल की 19 ट्रेनें प्रमुख हैं। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, ये संशोधन समय पालन में सुधार और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए किए गए हैं।

नई समय सारणी की मुख्य विशेषताएं

नई समय सारणी में कई बदलाव शामिल हैं, जो रेल यात्रा को और सुविधाजनक बनाएंगे :

नई ट्रेनें और विस्तार : 20 जोड़ी नई ट्रेनें (जिनमें अमृत भारत जैसी प्रीमियम श्रेणी शामिल) जोड़ी गई हैं। वंदे भारत जैसी प्रस्तावित ट्रेनें भी शामिल। 11 जोड़ी ट्रेनों को नए गंतव्यों तक विस्तारित किया गया है। एक जोड़ी ट्रेन के फेरों को बढ़ाया गया है।

ट्रेन नंबरों में बदलाव : 30 ट्रेनों का संचालन नए या प्रस्तावित नंबरों के तहत होगा।

समय और गति में सुधार : कई ट्रेनों के समय में संशोधन, 7 ट्रेनों की गति बढ़ाई गई। 9 जोड़ी ट्रेनों के रेक में परिवर्तन।

ग्रामीण कनेक्टिविटी : छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 24 प्रयोगात्मक ठहराव जोड़े गए।

विशेष ट्रेनें : तीर्थयात्रा व पर्यटन सीजन के लिए 9 जोड़ी विशेष ट्रेनें शेड्यूल में शामिल, भीड़ प्रबंधन हेतु।

माघ मेले की तैयारियों का निरीक्षण करने पहुंचे अमिताभ यश

संगम से कंट्रोल रूम तक निरीक्षण किया, बोले–श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में माघ मेला 2026 की तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। मंगलवार को व्यवस्थाओं का जायजा लेने एडीजी कानून–व्यवस्था अमिताभ यश प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने कंट्रोल रूम से लेकर स्नान घाटों तक ग्राउंड जीरो पर उतरकर तैयारियों का निरीक्षण किया और मेला क्षेत्र का व्यापक भ्रमण कर जमीनी हकीकत परखी। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

एडीजी कानून–व्यवस्था ने संगम समेत प्रमुख स्नान घाटों और श्रद्धालुओं के आवागमन मार्गों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने भीड़ की संभावित आवाजाही, बैरिकेडिंग और सुरक्षा घेरों की स्थिति को मौके पर परखा। अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्नान घाटों और आने–जाने वाले मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जाए।

निरीक्षण के दौरान एडीजी ने कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली, संचार व्यवस्था और निगरानी सिस्टम की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि हर गतिविधि पर रियल टाइम मॉनिटरिंग और त्वरित रिस्पॉन्स अनिवार्य होना चाहिए, ताकि किसी भी स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

एडीजी ने पुलिस को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए। भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक मैनेजमेंट और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को और मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अधिकारियों ने कहा कि माघ मेला श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा बड़ा आयोजन है, ऐसे में उनकी सुरक्षा और सुविधा से कोई समझौता नहीं होगा। घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों से निगरानी और लगातार पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार, अपर पुलिस आयुक्त कानून–व्यवस्था डॉ. अजयपाल शर्मा, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा सहित प्रशासन और पुलिस के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

एडीजी कानून–व्यवस्था अमिताभ यश दो दिवसीय दौरे पर प्रयागराज पहुंचे हैं। पहले दिन उन्होंने फिजिकल इंस्पेक्शन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बुधवार को वह प्रयागराज कमिश्नरेट और मेला पुलिस के अधिकारियों के साथ अहम बैठक करेंगे, जिसमें माघ मेला 2026 की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण दिशा–निर्देश दिए जाएंगे।

मृत लोगों को गवाह बनाने से जांच अविश्वसनीय

हाईकोर्ट ने कहा– बिना साक्ष्य चार्जशीट न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि मृत व्यक्तियों के नाम अभियोजन गवाह के रूप में शामिल किया जाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि जांच न केवल अविश्वसनीय है, बल्कि कानूनी रूप से भी अस्थिर है। बिना किसी ठोस साक्ष्य के चार्जशीट दाखिल करना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पूरा विवाद सिविल प्रकृति का है, न कि आपराधिक। न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव ने गौतमबुद्ध नगर निवासी मालू की आपराधिक अपील स्वीकार करते हुए उसके खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि किसी भी आपराधिक मामले में जांच की पारदर्शिता और निष्पक्षता अत्यंत आवश्यक है, जिसकी इस प्रकरण में कमी पाई गई।

मुकदमे से जुड़े तथ्यों के अनुसार, वर्ष 2022 में गौतमबुद्ध नगर के दादरी थाने में एक एफआईआर दर्ज की गई थी। आरोप था कि गांव चिताहेरा, तहसील दादरी की कृषि भूमि के आवंटन और बाद में उसके हस्तांतरण में गंभीर अनियमितताएं की गईं। शिकायतकर्ता के अनुसार वर्ष 1997 में कुल 282 आवंटियों को पट्टे पर प्लॉट दिए गए थे, जिनमें से कुछ आवंटी अयोग्य थे और उन्होंने कथित रूप से तीसरे पक्ष के साथ अवैध रूप से बिक्री दस्तावेज निष्पादित कर दिए। आरोप लगाया गया कि अनुसूचित जाति समुदाय के लिए आरक्षित कुछ भूमि को भी अवैध रूप से हस्तांतरित किया गया। इस आधार पर एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम सहित आईपीसी की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। हालांकि कोर्ट ने पाया कि आवंटन के खिलाफ लगाए गए आरोप पहले ही कई न्यायिक कार्यवाहियों में खारिज हो चुके हैं और राजस्व अदालतों द्वारा उन्हें वैध ठहराया जा चुका है।

माघ मेला 2026

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा मेले में आने वाले अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये माघ मेला 2026 के दृष्टिगत निम्नलिखित अनारक्षित रिंग रेल सेवा रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

दिनांक 02.01.2026 से 17.02.2026 तक चलने वाली अनारक्षित रिंग रेल सेवा रेलगाड़ियाँ

गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान का समय	स्टेशन तक	आगमन का समय	मार्ग के अन्य स्टेशनों पर ठहराव
04111	प्रयागराज जं.	06:00	प्रयागराज जं.	18:50	प्रयागराज रामबाग, झूँसी, हंडिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधो सिंह, बनारस, भदोही, जंघई जं., मड़ियाहू, ज़फराबाद जं., जौनपुर जं., शाहगंज जं., अकबरपुर, गोशाईगंज, अयोध्या, अयोध्या कैंट, सुलतानपुर, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., मऊ आइमा, फाफामऊ जं. एवं प्रयाग
04113	प्रयागराज जं.	17:30	प्रयागराज जं.	07:45	
04114	प्रयागराज जं.	17:45	प्रयागराज जं.	08:00	
04120	प्रयागराज जं.	13:30	प्रयागराज जं.	04:00	

नोट:- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

माघ मेला 2026 रेलवे टोल फ्री नं० 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 2487/25 (ADM)

माघ मेले में कल ऑटो–ई रिक्शा की नो एंट्री

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में नए साल 2026 के पहले दिन माघ मेला क्षेत्र में स्नान, दर्शन और भ्रमण के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। इसे देखते हुए प्रशासन की ओर से यातायात और पार्किंग का विशेष प्लान लागू कर दिया गया है। साल के पहले दिन यानी बृहस्पतिवार को माघ मेला क्षेत्र में ऑटो, ई–रिक्शा और टैंपो के प्रवेश पर पूर्ण रूप से रोक रहेगी। संगम क्षेत्र में सुचारु आवागमन और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वाहनों की आवाजाही, पार्किंग और पैदल मार्गों को स्पष्ट रूप से निर्धारित किया गया है। माघ मेला में आने वाले कार और मोटरसाइकिल सवार श्रद्धालु अपने वाहन केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े कर सकेंगे। इसके लिए कुल पांच पार्किंग स्थल चिह्नित किए गए हैं–

प्लॉट नंबर 17 पार्किंग स्थल
कार्यशाला पांटून पुल पार्किंग
हेलीपैड पार्किंग स्थल, परेड
यातायात पुलिस लाइन के सामने और बगल में बनी पार्किंग
गल्ला मंडी पार्किंग स्थल

बड़े वाहनों और सार्वजनिक परिवहन पर विशेष प्रतिबंध

माघ मेला पुलिस के अनुसार संगम नोज क्षेत्र में किसी भी प्रकार की पार्किंग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। इस क्षेत्र में सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश वर्जित होगा। वहीं, बसों जैसे बड़े वाहनों को केवल प्लॉट नंबर–17 पार्किंग स्थल में ही पार्क करने की अनुमति दी जाएगी। संगम आने–जाने वाले पैदल श्रद्धालुओं के लिए भी विशेष मार्ग निर्धारित किए गए हैं। संगम जाने का पैदल मागरू श्रद्धालु जीटी जवाहर चौराहे से प्रवेश कर काली सड़क होते हुए काली रैम्प से संगम अपर मार्ग के जरिए सीधे संगम तक पहुंच सकेंगे। संगम से लौटने का पैदल मागरू स्नान के बाद श्रद्धालु अक्षयवट मार्ग से इंटरलॉकिंग मार्ग होते हुए जगदीश रैम्प और त्रिवेणी मार्ग चौराहे से परेड क्षेत्र में स्थित पार्किंग स्थलों तक लौट सकेंगे। मेला क्षेत्र में प्रवेश जीटी जवाहर चौराहे से और निकास हर्षवर्धन चौराहे से प्रस्तावित किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे मेला क्षेत्र में केवल निर्धारित मार्गों और पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करें, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे और किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

'भाई का त्याग' खंडकाव्य का विमोचन

प्रयागराज (संवाददाता)। विश्व जनचेतना ट्रस्ट भारत के देखरेख में राजरूपपुर स्थित संस्था कार्यालय में एक साहित्यिक आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर ट्रस्ट की उत्तराखंड इकाई के अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश फुलारा प्रफुल्ल की नवीनतम कृति भाई का त्याग (खंडकाव्य) का विधिवत विमोचन किया गया। यह कार्यक्रम भ्रातृत्व, त्याग, प्रेम, कर्तव्य और मर्यादा के शाश्वत मूल्यों को समर्पित था। जिसने उपस्थित सभी को गहन भावनात्मक अनुभूति प्रदान की। यह खंडकाव्य भगवान राम और उनके छोटे भाई भरत के पावन प्रसंग पर आधारित है, जो रसाल छंद में रचा गया है। कवि प्रफुल्ल ने इसमें भाईचारे की अनुपम भावना, अटूट प्रेम, पूर्ण त्याग, कर्तव्यनिष्ठा और मर्यादापूर्ण जीवन के आदर्शों को अत्यंत संवेदनशील, शास्त्रीय और जीवंत ढंग से उकेरा है। आधुनिक संदर्भ में यह कृति संबंधों में व्याप्त स्वार्थ और अपेक्षाओं के विपरीत सच्चे समर्पण का संदेश देती है। जो पाठकों को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करती है। विमोचन समारोह के मुख्य अतिथि और रचयिता ओम प्रकाश फुलारा 'प्रफुल्ल' ने अपने संबोधन में कहा कि यह कृति मेरे लिए केवल काव्य–रचना नहीं, बल्कि एक गहन आत्मिक यात्रा है। भरत का त्यागमय चरित्र मुझे हमेशा आंदोलित करता रहा है। आज के स्वार्थी युग में मैंने इस माध्यम से यह स्थापित करने का प्रयास किया है कि सच्चा प्रेम अधिकार की मांग में नहीं, बल्कि पूर्ण समर्पण में बसता है। यह मेरे मन की साधना, संस्कारों और अनुभूतियों की अभिव्यक्ति है। उन्होंने मां शारदे की कृपा, गुरुदेव शैलेंद्र खरे 'सोम' के मार्गदर्शन तथा परिवार व साहित्यिक मित्रों के सहयोग के लिए हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. राहुल शुक्ल 'साहिल' ने उद्बोधन में कहा कि भाई का त्याग मात्र पौराणिक आख्यान नहीं बल्कि भारतीय चेतना का जीवंत दस्तावेज है। प्रफुल्ल जी ने छंदों के जाल में भक्ति की करुणा, नीति की मर्यादा और काव्य की माधुर्यता का अनुपम समन्वय रचा है। यह रचना पाठक को केवल पढ़ने नहीं, बल्कि आत्मानुभूति तक ले जाती है। ट्रस्ट का उद्देश्य ऐसे सृजनों को प्रचारित करना है। जो समाज को मूल्य, संवेदना और सेवा की ओर प्रेरित करें। प्रदेश अध्यक्ष साकिब सिद्दीकी 'बादल' ने बताया कि आज सामाजिक रिश्ते कमजोर हो रहे हैं। तब यह कृति हमें जड़ों से जोड़ती है। नई पीढ़ी को त्याग, कर्तव्य और मर्यादा का पाठ पढ़ाती यह रचना भारतीय जीवन–दर्शन की आत्मा है। ट्रस्ट ऐसे प्रयासों का सशक्त मंच बन रहा है। कार्यक्रम में युवा चेतना शक्ति की अध्यक्ष संध्या कनौजिया, कान्ति प्रभा शुक्ला, प्रज्ञा शर्मा, प्रीति श्रीवास्तव, आरती पाल, अंजलि शर्मा, शेखर शर्मा, दीप किशन कनौजिया, सरजीत गौतम सहित बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी, पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

माघ मेले में मुलायम सिंह संस्थान को नोटिस

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में माघ मेले की तैयारियों के बीच श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव स्मृति सेवा संस्थान को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। अपर मेला अधिकारी दयानंद प्रसाद द्वारा संस्था को एक नोटिस जारी किया गया है, जिसमें धार्मिक परंपराओं और मान्यताओं के विपरीत गतिविधियां किए जाने का आरोप लगाया गया है। यह नोटिस 30 दिसंबर को दोपहर लगभग एक बजे संस्था के शिविर पर चस्पा किया गया। नोटिस में कहा गया है कि संस्था के क्रियाकलापों के चलते मेले में रहने वाले साधु–संतों ने आपत्ति दर्ज कराई है और असंतोष व्यक्त किया है। इसमें संस्था से स्पष्ट जवाब देने को कहा गया है कि धार्मिक आस्था के विपरीत किस आधार पर ऐसी गतिविधियां की जा रही हैं। नोटिस के अनुसार संस्था को 24 घंटे के अंदर मेला कार्यालय में लिखित जवाब प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

बिहार में आयोजित मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव -2025 में असम के हिंदी सेवी संतोष कुमार महतो को रामरतन प्रसाद सिंह रत्नाकर स्मृति सम्मान से पुरस्कृत

रत्नाकर स्मृति सम्मान लेकर विदा हुए देश विदेश की साहित्यकार

विश्वनाथ,। बिहार के कौआकोल प्रखण्ड के सोखोदेवरा गांव में अवस्थित ऐतिहासिक लोकनायक जयप्रकाश नारायण आश्रम परिसर के राजेन्द्र भवन में तीन दिवसीय साहित्य समागम मगलवार को संपन्न हो गया। अशोक स्मृति संस्थान हिसुआ,नवादा के सौजन्य में आयोजित मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव में पहुंचे देश–विदेश के साहित्यकारों को आश्रम के प्रधानमंत्री अरविंद कुमार के द्वारा आश्रम में तैयार किए गए उन्नत किस्म के फल और फूलों के पौधा देकर विदा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत 28 दिसंबर को की गई थी। लेकिन देश विदेश से कार्यक्रम में पहुंचे साहित्यकारों का जिले के वरिष्ठ साहित्यकार दिगंबत रामरतन प्रसाद सिंह ष्रत्नाकर " स्मृति सम्मान से हसुआ के विधायक अनिल सिंह के करकमलों से 29 दिसंबर को सम्मानित किया गया। युवा कवि ओंकार शर्मा कश्यप के संयोजन और संचालन समिति अध्यक्ष देवेंद्र विश्वकर्मा के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन हिसुआ के विधायक अनिल सिंह,गोविंदपुर विधानसभा के निवर्तमान विधायक मोहम्मद कामरान,हिलसा के पूर्व विधायक डॉ० उषा सिन्हा,ग्राम निर्माण मण्डल के प्रधानमंत्री अविन्द कुमार, शिक्षाविद डॉ० आरपी साहू,डॉ० शशिभूषण प्रसाद,साहित्यकार नरेंद्र सिंह,वीणा मिश्रा आदि ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर देश एवं विदेश के विभिन्न हिस्सों से आये 71 कवियों एवं साहित्यकारों को साहित्यकार रामरतन प्रसाद सिंह रत्नाकर स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। जिसमें पवित्र भूमि में आयोजित मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव –2025 में हिंदी साहित्य के संरक्षण और संवर्धन में उत्कृष्ट योगदान के लिए असम विश्वनाथ जिले के निवासी हिंदी सेवी, कवि तथा शिक्षक संतोष कुमार महतो को हिंदी के वरिष्ठ साहित्यकार रामरतन प्रसाद सिंह ष्रत्नाकर ष्स्मृति सम्मान तथा धनराशि से पुरस्कृत किया गया है। इस अवसर पर पटना से लघु कथाकार और संपादक विभा रानी श्रीवास्तव, पूर्व विधायक और साहित्यकार डॉ उषा सिंहा, डॉ. मीना कुमारी परिहार, शोध आधारित लेखन के प्रतिष्ठित साहित्यकार सूर्यगढ़ा के डॉ विजय विनीत, जापान के टोक्यो से आई हाइकु विधा की मर्मज्ञ साहित्यकार कंचन अपराजिता , मध्य प्रदेश के कटनी के अनिल कुमार मिश्र, डॉ कुशकेत सिंह परिहार,ठाकुर सुभाष सिंह,राकेश कुमार उरमलिया, मध्य प्रदेश के रिटायर्ड चीफ इंजीनियर और वरिष्ठ साहित्यकार डॉ विनोद शुक्ल, चॅदिया (उमरिया) मध्य प्रदेश के करकेली के आशीष तोमर , गुजरात के डॉ हंसा सिद्धपुरा, मुजफ्फरपुर की साहित्यकार डॉ शैल केजरीवाल, मुंगेर विश्वविद्यालय के डॉ वसीम रजा, बांका कॉलेज के डॉ पुलकित मंडल, भागलपुर की डॉ रश्मि किरण, डॉ अनुपम कुमारी, प्रयाग राज की अर्पणा आर्या ध्रुव, समर बहादुर सरोज, आशा रघुदेव, प्रयागराज की प्रवीणा आर्या, कौशल किशोर, वैशाली के कवि डॉ प्रीतम कुमार झा, .मीरा प्रकाश,तनुजा सिन्हा , रांची की अंशिता सिन्हा, पटना की कथाकार प्रेमलता सिंह राजपूत, डॉ. सुधा सिन्हा ,नीता

सहाय, कवयित्री नूतन सिन्हा,मुजफ्फरपुर की मुस्कान केशरी , सुमन लता अनमोल कुमारी, शंकर शौर्य ,कंचन पाठक सहित दर्जनों स्थानीय साहित्यकार को सम्मानित किया गया।रत्नाकर जी द्वारा शुरू किए गए कार्यों को पूरा करने का आह्वान कार्यक्रम में पहुंचे साहित्यकार राजेश मझेकर, नरेंद्र सिंह एवं ओमकार कश्यप ने स्वर्गीय रत्नाकर द्वारा शुरू किए गए कार्यों को पूरा करने का आह्वान किया। कहा कि रत्नाकर जी जीवन के अंतिम क्षण तक समाज के बेहतरी के लिए लेखनी के माध्यम से काम करते रहे। पत्रकारिता साहित्य और इतिहास की जानकारी रखने वाले रत्नाकर जी सिर्फ सामान्य कहानी कविता और आलेख नहीं लिखते थे। उन्होंने नवादा सहित पूरे मगध के ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक स्थलों को अपनी लेखनी में जगह दी। जिसके कारण नवादा में महत्वपूर्ण पर्यटक स्थल ककोलत, सीतामढ़ी, पार्वती, अपसढ सहित राजगीर, बोधगया,नालंदा में स्थित कई महत्वपूर्ण स्थानो पर प्रकाश डाला था। परिणाम स्वरुप सरकार का ध्यान उस ओर गया। इसी प्रकार समाज में व्याप्त कुरीतियों, सामाजिक परंपरा, संस्कृति आदि महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डालते हुए दो दर्जन से अधिक हिंदी मगही के पुस्तकों की रचना की है जो हम लोगों को आगे भी प्रेरणा देती रहेगी। साहित्यकारों को संबोधित करते हुए आश्रम के प्रधानमंत्री अरविंद कुमार ने जेपी द्वारा जनकल्याण के लिए शुरू किए गए आश्रम की कहानी बताई। बताया कि शुरुआत के समय में इस इलाके में आम लोगों का प्रवेश निषेध था।

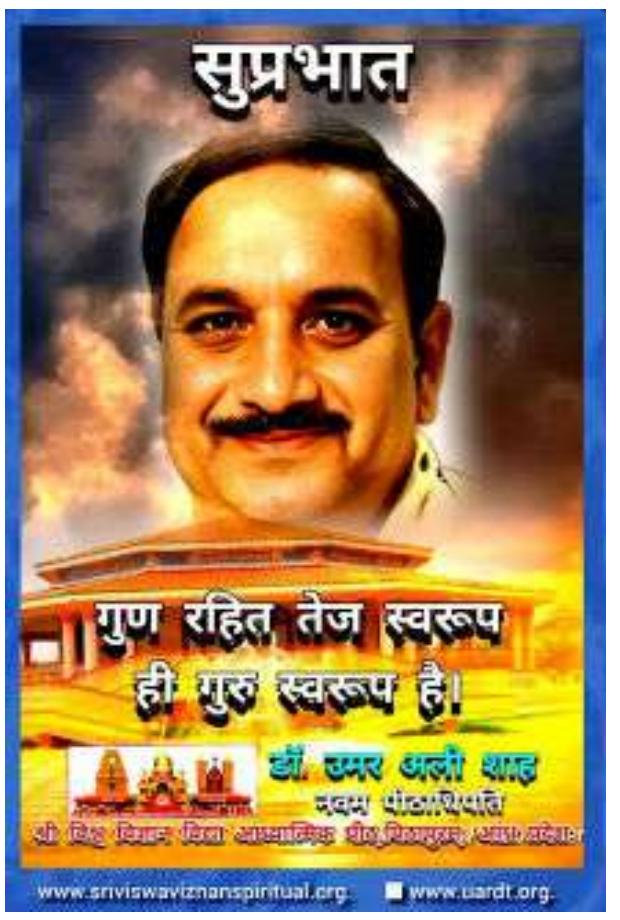

फूल सभी से कह रहें

अपनो के खघतिर जिओ, दो सबको मुस्कान।
खघमोशी से फूल ने, दिया सभी को ज्ञान।
दिया सभी को ज्ञान, देखकर वर्ष पुराना।
नूतनता के साथ, प्रेम का गाओ गाना।
सुन लो कहें प्रदीप, न बाते कर सपनो के।
महकाओ संसार, निकट आओ अपनो के।।

भौतिकता से दूर ही, रहती बरगद छाँव।
फूल सभी से कह रहे, चलो बसाएँ गाँव।
चलो बसाएँ गाँव, जहाँ फुलवारी महके।
अपनो का हो ठाँव, परिन्दों की हो चहके।
सुन लो कहें प्रदीप, यही सच्ची नैतिकता।
रहे प्रेम में लिप्त, हमारी नव भौतिकता।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

एक करोड़ की मार्फिन के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार, 990 ग्राम मार्फिन बरामद

लखनऊ, संवाददाता। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) लखनऊ ने साल के आखिरी दिन बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से करीब एक करोड़ रुपए की मार्फिन बरामद की है। यह कार्रवाई थाना नगराम क्षेत्र में हुई है। एएनटीएफ टीम ने थाना नगराम क्षेत्र में घुड़सारा पुलिया (बड़ी नहर) के पास दबिश दी। मौके से कुलदीप सिंह और अंकुश यादव को गिरफ्तार किया गया। दोनों रायबरेली जिले के निवासी हैं और लंबे समय से मार्फिन की अवैध खरीद–फरोख्त में सक्रिय थे। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 990 ग्राम मार्फिन बरामद की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग एक करोड़ रुपए बताई जा रही है। एक दोपहिया वाहन, दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन और 250 रुपए नकद बरामद हुए हैं। इस संबंध में थाना नगराम में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। दोनों अभियुक्तों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए प्रस्तुत किया गया। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार तस्करों ने बताया कि वे अधिक पैसे कमाने के लालच में मार्फिन की तस्करी करने लगे थे। उन्होंने स्वीकार किया कि वे नशीले पदार्थ की खरीद–फरोख्त कर मोटा मुनाफा कमाते थे और इसी सिलसिले में ग्राहक तलाशते हुए लखनऊ पहुंचे थे, तभी एएनटीएफ टीम के हत्थे चढ़ गए।

राजधानी के मंदिरों में नए साल को लेकर विशेष तैयारी,तड़के से खुल जाएगा कपाट

लखनऊ, संवाददाता। न्यू ईयर 2026 के स्वागत को लेकर राजधानी लखनऊ के मंदिरों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जहां एक ओर लोग जश्न और पार्टी की प्लानिंग में जुटे हैं, वहीं बड़ी संख्या में श्रद्धालु नए साल की पहली सुबह भगवान के दर्शन और आशीर्वाद के साथ शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। 1 जनवरी को मंदिरों में दर्शन करना आज भी लोगों की पहली पसंद बनी हुई है। इसी को देखते हुए लखनऊ के प्रमुख मंदिरों में विशेष पूजा–अर्चना, दर्शन व्यवस्था और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मंदिर समितियों का कहना है कि 1 जनवरी को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है, जिसके लिए प्रशासन और स्वयंसेवकों को तैनात किया गया है। न्यू ईयर 2026 के मौके पर हनुमान सेतु मंदिर, श्री श्याम मंदिर, हनुमत धाम मंदिर, मनकामेश्वर मंदिर, चौक स्थित बड़ी काली मंदिर और अलीगंज के प्राचीन हनुमान मंदिर में विशेष पूजा का आयोजन किया जाएगा। इन मंदिरों में दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए कतार प्रणाली, सुरक्षा जांच और भीड़ नियंत्रण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। श्री श्याम मंदिर समिति के पदाधिकारी पंकज मिश्रा ने बताया कि नववर्ष पर भक्तों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेष दर्शन व्यवस्था की गई है। गर्भगृह से दर्शन बंद कर दिए गए हैं। अब श्रद्धालु बाहर से दर्शन करेंगे।श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए बैरिकेडिंग और ब्लॉक सिस्टम लागू किया गया है। दर्शन के लिए दाहिनी और बाईं ओर दो अलग–अलग लाइनें बनाई गई हैं। प्रत्येक लाइन में एक समय में पांच श्रद्धालु चल सकेंगे। दर्शन के बाद सभी श्रद्धालु गोमती रिवरफ्रंट की ओर से बाहर निकलेंगे। पार्किंग की व्यवस्था दो स्थानों पर की गई है। एक उत्तराखंड महोत्सव मेला स्थल पर और दूसरी मंदिर परिसर के बाहर रिवरफ्रंट की ओर। मंदिर परिसर की पार्किंग केवल जूते–चप्पल के लिए आरक्षित रहेगी। दर्शन मार्ग में जूते–चप्पल उतारने की कोई व्यवस्था नहीं होगी।

घर से बुलाकर की थी युवक की हत्या, 3 आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में अलमास सिद्दीकी उर्फ अज्जू की हत्या के मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आज, बुधवार दोपहर 2 बजे डीसीपी साउथ कार्यालय में पुलिस इस संबंध में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी। ग्रामीणों के अनुसार, मृतक अलमास की ममेरी बहन को गांव का रमजान काफी समय से परेशान कर रहा था। इस बात की जानकारी ममेरी बहन ने अलमास को दी। करीब 20 दिन पहले अलमास ने रमजान की पिटाई कर दी। इसी घटना को लेकर रमजान उससे रंजिश रखने लगा और उसकी हत्या कर दी। परिजनों का आरोप है कि इसी बात को लेकर रमजान ने अपने साथियों के साथ मिलकर अलमास को घर से बुलाया और उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को सड़क किनारे झाड़ियों में फेंक दिया गया, ताकि मामला दुर्घटना लगे। आरोपियों ने मृतक का मोबाइल फोन नहर में फेंक दिया, जिसकी बरामदगी के लिए पुलिस सर्च ऑपरेशन चला रही है।

वैश्य अग्रवाल राजवंश सभा मुजफ्फरनगर ने नव वर्ष का कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से मनाया

मुजफ्फरनगर। वैश्य अग्रवाल राजवंश सभा मुजफ्फरनगर के महामंत्री शलभ गुप्ता एडवोकेट ने जानकारी देते हुए बताया कि होटल गोल्डन एरा जानसठ रोड पर वैश्य अग्रवाल राजवंश सभा मुजफ्फरनगर के द्वारा गायत्री मंत्र के उच्चारण एवं मां कुलदेवी लक्ष्मी महाराजा अग्रसेन जी महाराज और अमर शहीद राजा रतन चंद जी के उद्घोष के साथ नव वर्ष के कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेंद्र प्रसाद गर्ग अध्यक्ष के द्वारा एवं संचालन महामंत्री शलभ गुप्ता के द्वारा किया गया नव वर्ष 2026 के कार्यक्रम में विशेष सहयोग महिला अध्यक्ष अनुराधा गुप्ता,महिला मंत्री गुंजन गर्ग,महिला उपाध्यक्ष सुनीता ऐरन का रहा विशेष प्रस्तुति विवेक कुमार के द्वारा तबला वादन से दी गई प्रतियोगीयो द्वारा तबले की थाप के साथ महिला मंत्री गुंजन के द्वारा सत्यम शिवम सुंदरम गीत प्रस्तुत किया गया कपल डांस कंपटीशन में अनिल गुप्ता

अनुराधा गुप्ता, अभिमन्यु गर्ग प्रतिभा गर्ग, मुकुल गोयल एवं सीमा गोयल विजयी हुए जिन्हें सभा के राजेंद्र प्रसाद गर्ग एवं महामंत्री शलभ गुप्ता के द्वारा पारितोषिक उपहार देकर सम्मानित किया गया, अजय गुप्ता जी के द्वारा हास्य कविता सुनाई गई महिला सभा की उपाध्यक्ष सुनीता ऐरन के द्वारा वरिष्ठ एवं बच्चों के वर्ग में गेम खिलाए गए जिसे मनोज गुप्ता सीमा गोयल मुकुल गोयल विजय हुए, एकल डांस में महामंत्री शलभ गुप्ता ,अमल राजवंशी अश्विनी सिंगल के द्वारा सुंदर प्रस्तुति दी गई ।

राजवंश सभा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद गर्ग एवं शलभ गुप्ता ने कहा राजवंश सभा का सफल कार्यक्रम आप सभी सदस्यों के एकजुटता के कारण सफल हो सका जिस प्रकार हमारा पुराना वर्ष हंसते गाते हुए एकता के साथ पूरा हुआ है ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि आने वाला वर्ष 2026 भी समस्त वैश्य समाज के लिए उत्तम हो एवं इसी प्रकार के कार्य कार्यक्रम राजवंश सभा आयोजित करती रहे तबला वादक विवेक द्वारा तबले की थाप पर धुन बजाई गई जिन्हें पहचानने पर 5 सरप्राइज गिफ्ट बांटे गए । अंत में सभी ने एक पुरुष वर्ग एवं महिला वर्ग में अंताक्षरी प्रतियोगिता हुई जो ड्रा के साथ समाप्त हुई सभी ने एक साथ हंसते गाते हुए वर्ष 2026 के स्वागत में सामूहिक डांस कर नववर्ष का स्वागत किया कार्यक्रम के उपरांत वैश्य अग्रवाल राजवंश सभा द्वारा आयोजित स्वादिष्ट भोजन का आनंद सभी के द्वारा लिया गया एवं सभा के महामंत्री द्वारा सभी का सहयोग के लिए आभार प्रकट किया गया । मुख्य रूप से कार्यक्रम में राजेंद्र प्रसाद गर्ग, शलभ गुप्ता एडवोकेट, अमित गुप्ता एडवोकेट, पंकज राजवंशी, भावना गुप्ता ,अवनी गुप्ता, नेहा गुप्ता ,रूपा गर्ग, वरुण गुप्ता गुंजन गर्ग, अजय गर्ग ,अंकित गुप्ता, अदिति गुप्ता, माही गुप्ता विख्यात गुप्ता ,मुकुल गोयल, सीमा गोयल, मनीष गुप्ता, प्रतिभा गुप्ता ,नीलम गोयल अनुराधा गुप्ता ,नामित सिंघल अनिल कुमार ,वीनू ऐरन, सुधीर ऐरन, सुनीता ऐरन, सुबोध ऐरन अनीता राजवंशी, वाणी राजवंशी, अमल राजवंशी ,राजेंद्र कुमार गोयल ,ममता गोयल, पंकज कुमार, श्रुति गोयल ,ज्योति गर्ग ,मनोज कुमार गुप्ता, अमित अजय गर्ग, आयुषी गुप्ता ,आलोक सिंघल, शीलू गुप्ता, आशीष गोयल, अभिमन्यु गर्ग, श्रुति गर्ग, अलका गर्ग आदि सैकड़ों राजवंश बंधु उपस्थित रहे!

शिवसेना ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाने और जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग तेज की

मुजफ्फरनगर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य का दर्जा दिए जाने और देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करने की मांग को लेकर शिवसेना ने एक बार फिर आंदोलनात्मक रुख अपनाया है। शिवसेना जिला अध्यक्ष बिट्टू सिखेड़ा के नेतृत्व में प्रधानमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से प्रेषित किया गया।

ज्ञापन में अवगत कराया गया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 28 जनपद लंबे समय से विकास की दृष्टि से उपेक्षित हैं। क्षेत्र के लोग प्रदेश के कुल राजस्व में लगभग 80 प्रतिशत का योगदान देते हैं, इसके बावजूद समुचित विकास, सरकारी योजनाओं और नौकरियों का लाभ यहां के युवाओं को नहीं मिल पा रहा है। शिवसेना का कहना है कि 75 जनपदों वाले विशाल उत्तर प्रदेश को छोटे राज्योंकृजैसे उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब और दिल्लीकृ की तर्ज पर विभाजित किया जाना क्षेत्रवासियों और स्थानीय निवासियों के हित में होगा।

शिवसेना ने तर्क दिया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाए जाने से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास होगा, साथ ही प्रशासनिक व्यवस्था अधिक प्रभावी और जवाबदेह बन सकेगी।

इसके साथ ही ज्ञापन में देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू किए जाने की भी मांग उठाई गई। संगठन का कहना है कि बढ़ती जनसंख्या देश के सीमित संसाधनों पर भारी दबाव बना रही है और यदि समय रहते ठोस कानून नहीं बनाया गया तो आने वाले समय में हालात और भी गंभीर हो सकते हैं।

इस दौरान प्रदेश उप प्रमुख प्रमोद अग्रवाल ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोग वर्षों से अलग राज्य की मांग कर रहे हैं। हमारा क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, लेकिन विकास में लगातार पिछड़ रहा है। अलग राज्य बनने से युवाओं को रोजगार मिलेगा और क्षेत्रीय समस्याओं का स्थायी समाधान संभव होगा। वहीं, जनसंख्या नियंत्रण कानून आज समय की सबसे बड़ी जरूरत है। सरकार को इस पर गंभीर निर्णय लेना चाहिए।

शिवसेना ने केंद्र सरकार से मांग की है कि दोनों मुद्दों पर शीघ्र निर्णय लेकर जनहित में ठोस कदम उठाए जाएं।

इस अवसर पर प्रमोद अग्रवाल शरद कपूर, चेतन देव, सूरज साठी दविंदर चौहान, निकुंज चौहान, उज्ज्वल पंडित, साकेत पिंकू शुभम बाल्मीकि रोशन कुमार योगिंदर सैनी राकेश प्रजापति गुड्डू संजय नमन त्यागी त्यागी रितेश शिवसेना पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लुलु मॉल लखनऊ द्वारा आयकर मामले पर स्पष्टीकरण

लखनऊ, संवाददाता। लुलु मॉल लखनऊ और लुलु हाइपरमार्केट उत्तर प्रदेश और लखनऊ के लोगों के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं, जिनके जबरदस्त समर्थन ने मॉल को इस क्षेत्र में एक प्रमुख गंतव्य बना दिया है। लुलु ने राज्य में महत्वपूर्ण दीर्घकालिक निवेश किया है, जिसे मुख्य रूप से बैंक वित्तपोषण के माध्यम से वित्तपोषित किया गया है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था में इसके विश्वास और सतत विकास के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हाल ही में आयकर विभाग द्वारा बैंक खातों को फ्रीज किए जाने संबंधी खबरों के संदर्भ में, लुलु स्पष्ट करता है कि वह एक पूर्णतः नियमों का पालन करने वाला संगठन है और उसने लागू कानूनों के अनुसार सभी वैधानिक नोटिसों का विधिवत उत्तर दिया है। एक पूर्णतः अनुचित आयकर मांग को माननीय उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी, जिस पर दिनांक 22 अप्रैल 2025 के आदेश द्वारा यह निर्देश दिया गया कि मामले का निस्तारण होने तक कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। अपील एवं स्थगन (स्टे) आवेदन वर्तमान में आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष लंबित हैं और मामला वर्तमान में सुलझ गया है। लुलु सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले आधारहीन आरोपों का पुरजोर खंडन करता है और विश्व स्तरीय रिटेल अनुभव प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित रखता है। समूह लखनऊ और उत्तर प्रदेश के लोगों की सेवा करने के लिए समर्पण, ईमानदारी और राज्य में आगे निवेश करने की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के साथ काम करता रहेगा।

रक्षामंत्री और मुख्यमंत्री ने किये हनुमानगढ़ी और रामलला के दर्शन–पूजन

मां अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा आरोहण

अयोध्या पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सीएम योगी ने एयरपोर्ट पर किया स्वागत

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हनुमानगढ़ी पहुंचकर संकट मोचन हनुमान के दर्शन–पूजन किए।

सम्पादकीय.....

कांग्रेस के संकट

निस्संदेह, देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस को फिलहाल बेहद मुश्किल दौर से गुजरना पड़ रहा है। चुनाव दर चुनाव उसका दायरा लगातार सिमटता ही जा रहा है। वहीं दूसरी ओर चुनावी मोर्चे पर भी कांग्रेस के लिए बीत रहा साल निराशाजनक ही रहा है। कांग्रेस पार्टी को दिल्ली और बिहार विधानसभा चुनावों में करारी शिकस्त का सामना भी करना पड़ा है। हालांकि, पार्टी ने 'वोट चोरी' मुहिम को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने का पुरजोर प्रयास किया, लेकिन इसके बावजूद उसके परंपरागत वोट फिर लौटकर नहीं आए। बल्कि इस मुद्दे पर इंडिया गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों को भी सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिल सका। पार्टी के लिए आने वाला साल एक नई चुनौती लेकर आ रहा है। आने वाले साल में असम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसी स्थिति में कांग्रेस पार्टी के 140वें स्थापना दिवस पर शीर्ष नेतृत्व का आत्मविश्वास से भरा रवैया दिखाना स्वाभाविक ही कहा जाएगा। इस आयोजन के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि 'कांग्रेस सिर्फ एक राजनीतिक पार्टी ही नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज है, जो सदैव हर कमजोर, वंचित और मेहनतकश व्यक्ति के हितों के लिए खड़ी रही है।' वहीं इस दौरान कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़घ्गे ने घोषणा की कि 'कांग्रेस एक विचारधारा का नाम है और विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं।' लेकिन वास्तव में एक कड़वी सच्चाई यह है कि पार्टी के अस्तित्व पर संकट दिन–ब–दिन गहराता जा रहा है। पार्टी संगठन में असंतोष की आहटें साफ तौर पर सुनाई दे रही हैं। यह असंतोष किस हद जा पहुंचा है, हालिया घटनाक्रम इसकी पुष्टि करता है। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने शनिवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी की कुशल संगठनात्मक रणनीति की प्रशंसा और ट्विटर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए राजनीतिक परिदृश्य में हलचल मचा दी थी। निश्चय ही आम कार्यकर्ता पर इसका सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा होगा। दरअसल, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने जमीनी स्तर पर कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। देखा जाए तो गाहे–बगाहे कांग्रेस संगठन से शीर्ष स्तर पर गहरे तक जुड़े रहे दिग्गज कांग्रेस नेताओं के पार्टी लाइन से हटकर दिए गये बयान पार्टी के लिए असहज स्थिति पैदा करते रहे हैं। जब कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह का भाजपा व आरएसएस की संगठनात्मक शक्ति को लेकर चौंकाने वाला बयान सार्वजनिक विमर्श में आया, तो उनके विचारों के प्रति शशि थरूर का संयमित समर्थन करता दृष्टिकोण भी सामने आया, जो यह भी दर्शाता है कि मौजूदा चुनौतियों के बीच कांग्रेस पार्टी संगठनात्मक शक्ति के पुनर्निर्माण के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं कर सकती। अक्सर कांग्रेस यह दावा भी करती रही है कि इतिहास, मूल्य और विचारधारा उसकी मूल पूंजी हैं। इस पूंजी को चुनावी लाभ में परिवर्तित किया जा सकता है या नहीं, यह बयानबाजी से कम और पार्टी में सुधार, संगठन के पुनर्गठन और जनता से प्रभावी ढंग से पुनरू जुड़ने की क्षमता पर अधिक निर्भर करता है। ऐसे समय में, जब राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा का एकछत्र वर्चस्व बना हुआ है और यह कह सकते हैं कि सभी क्षेत्रों में इसका दबदबा कायम है, भाजपा ने तो यहां तक कह दिया है कि कांग्रेस 'चापलूसों की सेना' है। साथ ही उसे भारतीय लोकतंत्र की 'सबसे कमजोर कड़ी' तक करार दे दिया है। निस्संदेह, यह आलोचना, जो काफी हद तक सच के करीब है, कांग्रेस को आत्ममंथन करने और मौजूदा स्थिति में बदलाव लाने के लिए भी प्रेरित करेगी। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि अपने एक सौ चालीस साल के इतिहास में कांग्रेस एक चुनौतीपूर्ण मोड़ पर खड़ी हुई है। ऐसे में इस पार्टी का पुनरुत्थान भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला करने के लिए विपक्ष की संभावनाओं की कुंजी भी साबित हो सकता है। विश्वास किया जाना चाहिए कि अतीत की विफलताओं से सबक लेकर कांग्रेस पार्टी नये साल में नये तेवरों के साथ जनता के दरबार में जाएगी।

वहीं 'मारो' जहां काम बन जाए!

कल्पना कीजिए, एक 9 साल का बच्चा हाथ में छड़ी लेकर, विशालकाय मगरमच्छ को एक बार नहीं, बल्कि 15 बार छड़ी से मारते हुए चिल्ला रहा है, छोड़ दो। क्या आपको लगता है कि मगरमच्छ सुनेगा? जाहिर है, नहीं सुनेगा। एक बच्चा मगरमच्छ को ऐसे मारेगा, तो क्या प्रतिक्रिया भी नहीं देगा? इस मामले में तो उसने प्रतिक्रिया नहीं दी क्योंकि उसके मुंह में, उस दिन की भूख के लिए मांस का बड़ा टुकड़ा था। 25 जुलाई, 2025 को, यूपी में आगरा से लगभग 70 किलोमीटर दूर बाह गांव का वीरभान अपनी बकरियों को चराने के लिए बाहर गया। दोपहर 2 बजे, वीरभान और उसके दो बच्चों को प्यास लगी। वह नदी से पानी लेने गया। उसने बेटे को छड़ी देकर बकरियों का ध्यान रखने कहा। उसके होश उड़ गए, जब एक विशाल मगरमच्छ उसकी ओर बढ़ा और अचानक दाहिना पैर पकड़कर पानी में खींचने लगा। उसका बेटा अजय राज निषाद, जो चौथी कक्षा का छात्र था, बिल्कुल नहीं हिचकिचाया। उसके पास लंबी छड़ी के अलावा कुछ नहीं था, जिससे उसने मगरमच्छ के शरीर पर वार किया, लेकिन कोई असर नहीं हुआ। कुछ ही सेकंड में उस छोटे से दिमाग ने सोच लिया कि इतने बड़े शिकारी को रोकने के लिए, उसे वहीं मारना होगा जहां सबसे ज्यादा दर्द हो। अजय सीधे मगरमच्छ की आंख पर मारने लेगा। तेज दर्द के कारण उस सरीसृप को अपनी पकड़ छोड़नी पड़ी और वह पीछे हट गया। अजय की सटीकता और साहस की कहानी, अब उन युवा भारतीयों की बढ़ती विरासत का हिस्सा है, जो समझते हैं कि एक छोटा–सा, सही जगह पर उठाया गया कदम किस्मत बदल सकता है। अजय सेना में शामिल होना चाहता है। इस सूझबूझ के लिए उसे पिछले हफ्ते दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार मिला। जान बचाने के लिए वहीं मारना जहां दर्द होता हैष की उसकी समझ, उसके साथ सम्मानित किए गए अन्य बहादुर बच्चों की कहानियों में भी गूंजती है। केरल के मोहम्मद सिदान पी को ही लें। जब उसके दो दोस्त अचानक एक जिंदा बिजली के तार की चपेट में आ गए, तो 11 साल का मोहम्मद घबराया नहीं और न ही जानलेवा तार को सीधे छुआ। उसने बड़ी सटीकता से खतरे के स्रोत पर एक सूखी चीज मारकर, अपने दोस्तों को करंट से अलग किया। इलेक्ट्रिकल कनेक्शन पर वहीं वार किया, जहां सबसे ज्यादा 'चोट' लगती है यानी उसने सर्किट को तोड़ा और दो जानें बचा लीं।

उन्नाव पीड़िता को थोड़ी राहत

डॉ. दीपक पाचपोर

सेंगर ने केवल एक नाबालिग मासूम का बलात्कार ही नहीं किया, बल्कि अपने राजनैतिक दबदबे का इस्तेमाल उसकी इंसाफ की लड़ाई को रोकने में भी किया।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उन्नाव बलात्कार मामले में दोषी पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा दी गई जमानत पर रोक लगा दी है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने दिल्ली हाईकोर्ट के 23 दिसंबर के उस आदेश के लागू होने पर स्टे ऑर्डर जारी किया, जिसमें सेंगर की आजीवन कारावास की सजा निलंबित कर उन्हें अपील लंबित रहने तक जमानत दी गई थी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, शविशेष तथ्यों को देखते हुए, जहां दोषी एक अलग अपराध में भी सजा काट रहा है, हम दिल्ली हाईकोर्ट के 23 दिसंबर 2025 के आदेश को लागू करने पर रोक लगाते हैं। इस प्रकार, आरोपी को उक्त आदेश के तहत रिहा नहीं किया जाएगा।इस फैसले से एक बड़ी राहत पीड़िता को मिली है, क्योंकि अब यह तो तय हो गया है कि बलात्कार के दोष में कुलदीप सिंह सेंगर जेल में ही रहेगा, अब भी पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के एक अलग मामले में वह 10 वर्ष की सजा काट ही रहा है। इसमें उसे जमानत नहीं मिली है और अगली सुनवाई 4 हफ्ते बाद है। लेकिन अगर इस मामले में भी जमानत मिल जाती तब तो पीड़िता के लिए खतरा और ज्यादा बढ़ जाता। सेंगर ने केवल एक नाबालिग मासूम का बलात्कार ही नहीं किया, बल्कि अपने राजनैतिक दबदबे का इस्तेमाल उसकी इंसाफ की लड़ाई को रोकने में भी किया। इसलिए जब हाईकोर्ट ने सेंगर को जमानत दी थी, तो उसने इस नाइंसाफी के खिलाफ आवाज उठाई थी। उसका साथ देने के लिए सामाजिक कार्यकर्ता योगिता भयाना सामने आईं। हालांकि यह देखकर बेहद अफसोस हुआ कि इंसाफ के लिए लड़ रहे इन लोगों को पुलिस प्रशासन ने कुचलने की तमाम कोशिशें कीं। इंडिया गेट से लेकर संसद और हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट के सामने तक जहां भी कुलदीप सेंगर को जमानत मिलने का विरोध करने के लिए पीड़िता के साथ लोग इकट्ठे हुए उन्हें वहां से बलपूर्वक भगाने की कोशिशें हुईं। समझ नहीं आता कि आखिर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों से किस बात का खतरा सरकार को दिखाई देता है। देश में कितने ही मामले ऐसे सामने आते हैं जहां गुंडे कभी रेस्तरां, कभी पार्क में बैठे लोगों को परेशान करने, प्रताड़ित करने पहुंच जाते हैं। तब पुलिस पता नहीं कहां गायब हो जाती है। अभी देहरादून में अंजेल चकमा नाम के युवा को नस्लभेदी नफरत के कारण मार दिया गया। उसे चायनीज और मोमो जैसे शब्द बोलकर अपमानित किया गया। वह कहता रहा कि

वह भारतीय है, फिर भी उसकी जान ले ली गई। हालांकि वह भारतीय न भी होता, सच में चीन या किसी और देश का नागरिक होता, तब भी नस्लीय नफरत और हिंसा के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। लेकिन ऐसे उत्पीड़न जब हो रहे होते हैं, तब पुलिस वहां नहीं पहुंचती। भाजपा के शासन में पुलिस का भी राजनीतिकरण करने के जो आरोप लगते हैं, वो ऐसी घटनाओं के बाद सही लगते हैं।कुलदीप सेंगर मामले में शर्मनाक बात यह है कि भाजपा के कई नेता उसके समर्थन में खुलकर आ गए हैं। ब्रजभूषण शरण सिंह ने सेंगर को जमानत देने का स्वागत किया था, योगी सरकार में मंत्री ओ पी राजभर ने भी पीड़िता का मजाक उड़ाते हुए कहा था कि उसका घर उन्नाव में है तो दिल्ली में प्रदर्शन की क्या जरूरत। इसके बाद भाजपा पर कुलदीप सेंगर को राजनीतिक संरक्षण देने का जो आरोप लगा है, वह भी प्रमाणित होता दिखाई देता है। सब जानते हैं कि बलात्कार का गंभीर आरोप लगने के बावजूद लंबे समय तक कुलदीप सेंगर को गिरफ्तार नहीं किया गया। भाजपा ने लगातार इस मामले में लीपापोती की। अभी जमानत मिलने के बाद जब पीड़िता, उसकी मां और योगिता भयाना आदि विरोध के लिए सड़कों पर थे तो कुछ लोग सेंगर के समर्थन में पोस्टर लेकर उनसे भिड़ने आ गए। इनमें एक महिला भी थी, जो बार–बार कह रही थी कि इस मामले का राजनीतकरण किया जा रहा है। अफसोस की बात ये है कि मुख्यधारा का मीडिया ऐसे लोगों को बराबरी से कवरेज दे रहा था, मानो यही निष्पक्ष पत्रकारिता की कसौटी है। हालांकि एक पत्रकार ने सेंगर के समर्थन में आवाज उठा रही महिला से पूछ लिया कि आपकी बेटी के साथ ऐसा होता क्या तब भी आप बलात्कारी के लिए ऐसे ही सामने आती, तो वह महिला बिना जवाब दिए चली गई। इससे साफ समझ आ रहा है कि कैसे सेंगर के पक्ष में माहौल बनाकर पीड़िता के हौसले को कुचला जा रहा था। जहां तक मामले के राजनीतिकरण की बात है, तो पीड़िता किसी राजनीतिक दल से नहीं है, न ही उसे अपने लिए इंसाफ किसी राजनैतिक फायदे के लिए चाहिए। यह विशुद्ध नारी अस्मिता और मानवीय गरिमा की रक्षा की लड़ाई है, जिसमें बार–बार पीड़िता को कटघरे में खड़ा कर अन्याय को बढ़ाया जा रहा है।

2025 में जब जब दुनिया डगमगाई, मोदी ने आगे बढ़कर संभाल लिया

नीरज कुमार दुबे

साल 2025 भारतीय राजनीति और वैश्विक कूटनीति के लिहाज से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की विजयगाथा के रूप में दर्ज हो गया। यह वर्ष केवल मोदी की चुनावी सफलताओं का नहीं रहा, बल्कि भारत की रणनीतिक सोच, आर्थिक मजबूती, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक नेतृत्व के विस्तार का भी साक्षी बना। मोदी ने एक बार फिर यह साबित किया कि उनका नेतृत्व केवल सत्ता संचालन तक सीमित नहीं है, बल्कि वह राष्ट्र को दिशा देने, संकट में निर्णय लेने और दुनिया को भारत की ताकत का अहसास कराने का सामर्थ्य रखता है। 2025 में विभिन्न राज्यों और स्थानीय निकायों के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सफलता के पीछे नरेंद्र मोदी की चुनावी रणनीति और नेतृत्व की स्पष्ट छाप दिखाई दी। मोदी ने जहां एक ओर सुशासन, विकास और राष्ट्रवाद को केंद्रीय मुद्दा बनाए रखा, वहीं दूसरी ओर संगठनात्मक मजबूती पर भी विशेष ध्यान दिया। बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखने, लाभार्थी वर्ग से सीधा संवाद स्थापित करने और विपक्ष की कमजोरियों को उजागर करने की उनकी रणनीति ने भाजपा को बढ़त दिलाई। एनडीए के भीतर मतभेदों को साधते हुए मोदी ने सहयोगी दलों को एकजुट रखा और नए सहयोगियों को जोड़कर गठबंधन का विस्तार भी किया। उनका नेतृत्व सहयोगियों में विश्वास पैदा करने वाला रहा, जिससे एनडीए एक मजबूत और अनुशासित राजनीतिक परिवार के रूप में सामने आया। इसके अलावा, साल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी का रुख पूरी तरह स्पष्ट और सख्त रहा। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों और उनके ठिकानों पर कार्रवाई कर यह संदेश दे दिया कि भारत अब केवल आतंकी घटना की निंदा तक सीमित नहीं रहेगा। यह कार्रवाई न केवल सैन्य दृष्टि से महत्वपूर्ण थी, बल्कि कूटनीतिक स्तर पर भी दुनिया को यह समझाने में सफल रही कि भारत आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर अडिग है। मोदी के इस साहसिक निर्णय ने देशवासियों में सुरक्षा का भरोसा मजबूत किया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भारत की छवि एक निर्णायक शक्ति के रूप में और सुदृढ़ हुई। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए भारी–भरकम टैरिफ और दबावों के बावजूद मोदी ने भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता से कोई समझौता नहीं किया। रूस के साथ ऐतिहासिक मित्रता को कायम रखते हुए भारत ने ऊर्जा, रक्षा और कूटनीति के क्षेत्रों में संतुलित नीति अपनाई। मोदी का स्पष्ट संदेश रहा कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों पर किसी भी बाहरी दबाव को हावी नहीं होने देगा। रूस के साथ संबंधों को मजबूत रखना और साथ ही अमेरिका तथा यूरोप के साथ भी संतुलन बनाए रखना मोदी की बहुपक्षीय कूटनीति का उदाहरण है। इसके अलावा, 2025 में भारत दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा। वैश्विक मंदी और महंगाई के दौर में भी भारत ने स्थिरता और विकास दोनों को साधा। मोदी सरकार की नीतियों के चलते महंगाई नियंत्रण में रही, ब्याज दरें अपेक्षाकृत कम बनी रहीं और निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ। इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, स्टार्टअप और डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की नीतियों ने रोजगार सृजन और विकास को गति दी। 'जीएसटी उत्सव' के माध्यम से मोदी सरकार ने कर सुधारों की सफलता को जन–जन तक पहुंचाया। जीएसटी ने न केवल कर प्रणाली को सरल बनाया, बल्कि राज्यों की आय बढ़ाने और व्यापार सुगमता में भी अहम भूमिका निभाई। 2025 में जीएसटी संग्रह के नए रिकॉर्ड बने, जिसने सरकार को विकास

योजनाओं के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध कराए और अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकी। प्रधानमंत्री मोदी ने 2025 में वैश्विक मंचों पर भारत की आवाज को और बुलंद किया। ग्लोबल साउथ के मुद्दों को विश्व पटल पर मजबूती से उठाते हुए उन्होंने विकासशील देशों की समस्याओं, जलवायु न्याय और समावेशी विकास की वकालत की। उनकी चीन यात्रा ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया का ध्यान खींचा और यह संकेत दिया कि भारत संवाद के साथ–साथ अपने हितों की रक्षा करना भी जानता है। वहीं, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को दिल्ली आमंत्रित कर मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत वैश्विक शक्ति संतुलन में स्वतंत्र और प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा, 2025 में मोदी ने भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को भी वैश्विक स्तर पर मजबूती दी। धार्मिक स्थलों के विकास के जरिये स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के साथ ही सांस्कृतिक आयोजनों और योग व आयुष के प्रचार ने भारत की सॉफ्ट पावर को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। इसके अलावा, विदेशों में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालना हो या प्राकृतिक आपदाओं में अन्य देशों की मदद करना हो, मोदी सरकार ने हर संकट में तत्परता दिखाई। इससे भारत की छवि एक जिम्मेदार और संवेदनशील वैश्विक शक्ति के रूप में उभरी। बहरहाल, साल 2025 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की बहुआयामी विजयगाथा का प्रतीक बनकर सामने आया। चुनावी सफलता, राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक मजबूती और वैश्विक नेतृत्व जैसे मोर्चों पर मोदी ने अपने निर्णायक और दूरदर्शी नेतृत्व की छाप छोड़ी। यह वर्ष न केवल उनके राजनीतिक कद को और ऊंचा कर गया, बल्कि भारत के आत्मविश्वास और सामर्थ्य की कहानी भी दुनिया के सामने रख गया।

सिर्फ यादें रह गईं

धारावाहिक लघु उपन्यास (भाग –14)

लेखिका –अतिया नूर

समीर की क्लासमेट नेहा बेहद सुंदर, एक बहुत अच्छे और संस्कारी परिवार की इकलौती बेटी थी, जिसके बड़े भाई अमेरिका में सेटल थे। पिता का कलकत्ता में बड़ा भारी कारोबार था। नेहा अपनी मां, दादा और अविवाहित चाचा के साथ हवेली नुमा मकान में रहती थी। घर में सम्पन्नता का बोलबाला था। नेहा का रहन – सहन बिल्कुल राजकुमारियों की तरह था।

निःसंदेह मेरा समीर भी किसी राजकुमार से कम नहीं था।

नेहा के प्रति समीर के झुकाव को मैंने उम्र का तकाजा और स्वाभाविक सी घटना मात्र समझा था। मुझे लगता था कि समय के साथ सब कुछ ठीक हो जाएगा। मुझे कहां मालूम था कि प्यार की तलाश में भटका मेरा समीर नेहा के नेह को इस कघ्दर अपने दिल से लगा बैठेगा कि सब कुछ भूल जाएगा...।

यही तो हो रहा था इस कहानी में! समीर आए दिन स्कूल से गायब रहने लगा। उसकी शिकायत जब घर तक आई तो हम यानि मैं और शेखर दोनों ही इस नई मुसीबत से परेशान हो उठे। लोगों ने बताया कि आज समीर को नेहा के साथ यहां तो कल वहां बाइक पर घूमते देखा गया है। यह आए दिन की बातें हो गईं.... । समीर अपने बक्से में नेहा के दिए हुए गिफ्ट, प्यार भरे लेटर और ग्रीटिंग कार्ड को सहेजता रहता। प्यार की ही तो जरूरत थी उस मासूम को, जहां थोड़ा सा प्यार मिला बिन मोल बिक गया। समीर हमसे लड़ झगड़ कर ढेरों पैसे लेता और नेहा के छोटे – छोटे गिफ्ट के बदले उसे उसकी मनचाही वस्तुएं भेंट करता।

समीर की तो बची – खुची पढ़ाई भी नेहा के प्यार में पड़कर समाप्ति के कगार पर पहुंच गई थी लेकिन नेहा ने समीर की खातिर अपनी पढ़ाई पर आंच नहीं आने दी, वह एक ब्रिलिएंट स्टूडेंट् थी, हमेशा क्लास में टॉप करती रही...।

समय इसी पेंच ओ खघ्म के साथ आगे बढ़ता रहा, पंख लगाकर उड़ता रहा। समीर ने दसवीं के बाद पढ़ाई से किनारा कर लिया, नेहा उच्च शिक्षा के लिए दिल्ली चली गई। दूर रहकर भी दोनों एक दूसरे से जुड़े रहे, फोन पर बातें होती रहीं, अक्सर समीर नेहा से मिलने दिल्ली पहुंच जाता या नेहा जब अपने घर आती तो दोनों किसी न किसी तरह एक दूसरे से मिलने की राह निकाल ही लेते थे।

मुझे और शेखर को इनके प्रेम से कोई परेशानी नहीं थी, बल्कि हम दोनों ने तो सोच भी लिया था कि – विवाह योग्य होने पर इनका विवाह कर दिया जाएगा, लेकिन एक सच यह भी था कि समीर ने पढ़ाई नहीं की थी, तो उसके पास कोई जॉब नहीं थी, हमारे मन में यह प्रश्न बराबर कौंधता रहता था कि – किसी बेरोजगार को कोई अपनी बेटी का हाथ क्यों देगा?

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

यादें बुरी बिसार कर, भर लो मन में हर्ष।
बीत गया अब साल ये, आया है नव वर्ष।।
आया है नव वर्ष, करें हम स्वागत इसका।
पूरे हो सब स्वप्न, अधूरा दिखता जिसका।।
कहती रचना आज, देख लो खुशियाँ लादें।
आया है नववर्ष, बिसारो कलुषित यादें।।

मन में भर उल्लास अब, यादें बुरी बिसार।
आया अब नववर्ष है, इस पर करो विचार।।
इस पर करो विचार, लक्ष्य को पाना कैसे।
बीता जैसे साल, बीत मत जाए वैसे।।
कहती रचना आज, तभी खुश होगा हर जन।
यादें बुरी बिसार, दिखे उल्लास भरा मन।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

हर एक्शन हीरो के पीछे एक पत्नी होती है.. ट्विंकल खन्ना के बर्थडे पर अक्षय कुमार का फनी पोस्ट, यूं बनाया मिसेज के दिन को खास

बॉलीवुड के सबसे चहेते कपल्स में शुमार अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना अपनी मस्तीभरी केमिस्ट्री के लिए हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। दोनों सोशल मीडिया पर अक्सर एक–दूसरे के लिए प्यार और ह्यूमर से भरे पोस्ट शेयर करते हैं, जिन्हें फैंस खूब पसंद करते हैं। वहीं, हाल ही में अक्षय ने पत्नी ट्विंकल खन्ना के बर्थडे पर ऐसा ही एक खास और मजेदार पोस्ट शेयर किया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया। ट्विंकल खन्ना के 52वें जन्मदिन को अक्षय कुमार ने बेहद अलग और हंसाने वाले अंदाज में सेलिब्रेट किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें दोनों ब्लैक आउटफिट में नजर आ रहे हैं। फोटो में ट्विंकल सीरियस चेहरे के साथ अक्षय की ओर किक मारती दिखती हैं, जबकि अक्षय हंसते हुए उनका पैर थामे हुए नजर आते हैं। यह तस्वीर ने दोनों के रिश्ते की मस्ती और आत्मीयता को खूबसूरती से बयां करती दिखती है। तस्वीर के साथ अक्षय कुमार ने अपनी 'एक्शन हीरो' वाली छवि पर भी चुटकी ली। उन्होंने लिखा–हर एक्शन हीरो के पीछे एक पत्नी होती है, जो उसे एक नजर या एक किक में ही ढेर कर सकती है। मिसेज फनीबोन्स, तुम मुझे किसी भी स्टंट से ज्यादा जोर से मारती हो। जन्मदिन मुबारक हो, लव यू। इस पोस्ट के वायरल होते ही मजेदार रिएक्शन भी सामने आने लगे। किसी ने ट्विंकल को "मिसेज खिलाड़ी कुमार" कहा, तो किसी ने अक्षय को दोबारा फुल–फॉर्म में एक्शन फिल्म साइन करने की सलाह दे डाली। कई फैंस ने इस जोड़ी को "परफेक्ट कपल" बताते हुए कहा कि ये दोनों सच में मेड फॉर ईच अदर हैं। बता दें, अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना ने जनवरी 2001 में शादी की थी। दोनों दो बच्चों के पेरेंट्स हैं– बेटा आरव और बेटी नितारा। फिल्मों से दूरी बनाकर ट्विंकल ने लेखन की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने 'मिसेज फनीबोन्स' से बतौर लेखिका शुरुआत की और इसके बाद कई चर्चित किताबें लिखीं, जिनमें 'द लीजेंड ऑफ लक्ष्मी प्रसाद', 'पजामाज आर फॉरगिविंग' और 'वेलकम टू पैराडाइज' शामिल हैं।

> "ट्विंकल खन्ना के 52वें जन्मदिन को अक्षय कुमार ने बेहद अलग और हंसाने वाले अंदाज में सेलिब्रेट किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें दोनों ब्लैक आउटफिट में नजर आ रहे हैं। फोटो में ट्विंकल सीरियस चेहरे के साथ अक्षय की ओर किक मारती दिखती हैं, जबकि अक्षय हंसते हुए उनका पैर थामे हुए नजर आते हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने एनटीआर को डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर पहचान के गलत इस्तेमाल से सुरक्षा दी

डिजिटल दौर में सेलिब्रिटी अधिकारों को मजबूती देने वाले एक अहम फैसले में, भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में शामिल एनटीआर को दिल्ली हाईकोर्ट से कानूनी सुरक्षा मिली है। दरअसल, कोर्ट ने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर उनके नाम, तस्वीर और पहचान के बिना इजाजत इस्तेमाल पर रोक लगाई है। 'मैन ऑफ द मासेस' के नाम से मशहूर इस अभिनेता ने सोशल मीडिया और ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर अपनी पहचान के गलत इस्तेमाल को लेकर अदालत का रुख किया। याचिका के अनुसार, इस तरह का बिना अनुमति किया गया इस्तेमाल न सिर्फ उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचा रहा था, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डीपफेक और बदले हुए डिजिटल कंटेंट के इस दौर में उनकी छवि के लिए भी गंभीर खतरा बन गया था। इन चिंताओं को गंभीरता से लेते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने इस याचिका को सूचना प्रौद्योगिकी (इंटरमीडियरी गाइडलाइंस और डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) नियम, 2021 के तहत माना। अदालत ने संबंधित डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को निर्देश दिया कि वैध शिकायत मिलने पर उल्लंघन करने वाले कंटेंट को तुरंत हटाया जाए, उस तक पहुंच रोकी जाए या उसे सीमित किया जाए। इस आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए छज्त ने न्यायपालिका का आभार जताया और कहा, "मैं माननीय दिल्ली हाईकोर्ट का धन्यवाद करता हूं, जिसने आज के डिजिटल माहौल में मेरे पर्सनैलिटी राइट्स की रक्षा के लिए यह सुरक्षात्मक आदेश दिया।" उन्होंने अपनी लीगल टीम का भी शुक्रिया अदा किया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट की एडवोकेट डॉ. बालाजनकी श्रीनिवासन, डॉ. अलका डाकर और राइट्स एंड मार्क्स की टीम शामिल है, जिन्होंने यह राहत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। यह फैसला भारत में पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी राइट्स को लेकर बढ़ती न्यायिक समझ को और मजबूत करता है। साथ ही यह साफ संदेश देता है कि किसी व्यक्ति के नाम, तस्वीर या पहचान का बिना अनुमति व्यावसायिक इस्तेमाल, खासकर जब उससे उसकी छवि को नुकसान पहुंचने का खतरा हो, कानूनी कार्रवाई को बुलावा देगा।

सलमान खान के बर्थडे पर था मेले जैसा माहौल, भांजी आयत संग लिया झूला, खुद हाथों से भेल बनाते दिखे भाईजान

सुपरस्टार सलमान खान और उनकी भांजी आयत खान का जन्मदिन एक ही दिन, यानी 27 दिसंबर को होता है। इस साल सलमान खान ने अपना 60वां जन्मदिन बड़े ही धूमधाम से मनाया। उन्होंने दोस्तों और परिवार के लिए एक शानदार पार्टी होस्ट की, लेकिन इस खास दिन पर अपनी नन्ही भांजी आयत के लिए भी उन्होंने कुछ बेहद खास इंतजाम किए। पनवेल स्थित उनका फार्महाउस किसी मेले की तरह सजाया गया, जहां बच्चों के मनोरंजन के लिए कई तरह के झूले, खेल और खाने–पीने के स्टॉल लगाए गए थे, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि सलमान खान अपनी भांजी के साथ फेरिस व्हील झूले पर बैठे नजर आ रहे हैं। दोनों झूला झूलते हुए खूब मस्ती कर रहे हैं। बर्थडे पार्टी की कुछ इनसाइड तस्वीरें भी सामने आई हैं, जिनमें पनवेल फार्महाउस का नजारा किसी रंग–बिरंगे मेले जैसा दिख रहा है। बच्चों के लिए बड़े–बड़े टेडी बियर, मशहूर कार्टून कैरेक्टर के सॉफ्ट टॉयज और तरह–तरह के झूले लगाए गए थे। खाने–पीने के लिए भी अलग–अलग स्टॉल नजर आए, जहां बच्चों और बड़ों दोनों के लिए खास इंतजाम किए गए थे। पार्टी से जुड़ा एक और वीडियो भी सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है। इसमें एक्ट्रेस जेनेलिया डिसूजा ने सलमान खान का वीडियो शेयर किया, जिसमें वह खुद काउंटर के पीछे खड़े होकर मेहमानों के लिए अपने हाथों से भेल बनाते दिखाई दे रहे हैं। सलमान का यह देसी अंदाज फैंस को खूब भा रहा है और लोग उनकी सादगी की तारीफ कर रहे हैं।

आयरा खान का मोटापा बना पति नूपुर संग रिश्ते में परेशानी! दर्द बयां कर बोलीं–मेरे रिश्ते को लेकर स्ट्रगल कर रही हूं

आमिर खान की बेटी आयरा खान अक्सर अपनी परेशानियों को लेकर खुलकर बात करती नजर आती हैं। वह कई बार अपने डिप्रेशन से जूझने के बारे में बात कर चुकी हैं। अब हाल ही में आयरा ने अपने बढ़े वजन और बॉडी इमेज इश्यू को लेकर बात की है। आयरा खान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह कहती नजर आ रही हैं–चलिए सबसे बड़ी परेशानी पर बात करते हैं। हां, मैं. मैं मोटी हूं। मैं अपनी अपनी उम्र और हाईट से ज्यादा मोटी हूं। मैं 2020 से अपनी बॉडी इमेज ईश्यूज और खाने के साथ मेरे रिश्ते को लेकर स्ट्रगल कर रही हूं। पहले मैं डिप्रेशन से जूझ रही थी इसीलिए इसे लेकर बात करने में मैं कम्फर्टेबल नहीं थी। तो मुझे नहीं पता कि ये कैसे होने वाला है। ये मेरे दोस्तों की जिंदगी में शामिल होने की मेरी क्षमता और पति नूपुर शिखरे के साथ मेरे रिश्ते, मेरी सेल्फ–वर्थ, काम और हर चीज को लेकर मेरे सामने आ रहा है। आगे उन्होंने कहा, ये उतना ही इंटेंस है जितना मेरा डिप्रेशन कभी–कभी मेरी लाइफ में दखल देता था। कभी–कभी अब भी देता है। इसी कारण से मैं इसके बारे में बात करना चाहती हूं। मैं उस सबके बारे में बात करना चाहती हूं जिससे मैं जूझ रही हूं। मुझे उम्मीद है कि इससे मुझे मदद मिलेगी। मेरी सलाह है कि कमेंट सेक्शन में न जाएं। अगर आप जाते हैं, तो अपने रिस्क पर। आयरा बोलीं–,हां, मैं कब से मोटी या अनफिट होने के बीच झूल रही थी। मैं ओवरवेट हो गई और 2020 से मोटी हूं। इसे लेकर बहुत कुछ कहने को है। मुझे लगता है कि छोटा सा भी चेंज आपके लिए अच्छा है। इसीलिए मैंने इसके बारे में बात करने का सोचा। जब मैंने अपने डिप्रेशन के बारे में बात की थी उस वक्त मैं उतनी कॉन्फिडेंट नहीं थी, लेकिन मुझे लगता है कि इसे लेकर बात की जानी चाहिए। मुझे ईटिंग डिसऑर्डर नहीं है। न ही मैं एक्सपर्ट हूं। सिर्फ अपना एक्सपीरियंस शेयर कर रही हूं। आयरा खान का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और यूजर्स इस पर रिएक्ट भी करते नजर आ रहे हैं।

जब वैष्णो देवी भवन में फर्श पर सोए थे राजेश खन्ना, डिब्बा लेकर टॉयलेट की लाइन में हुए थे खड़े

हिंदी फिल्म जगत में अपने अभिनय से लोगों को दीवाना बनाने वाले अभिनेता तो कई हुए और दर्शकों ने उन्हें स्टार कलाकार माना पर सत्तर के दशक में राजेश खन्ना पहले ऐसे अभिनेता के तौर पर अवतरित हुए जिन्हें दर्शको ने 'सुपर स्टारश की उपाधि दी। वर्ष 1966 से 1969 तक राजेश खन्ना फिल्म इंडस्ट्री मे अपनी जगह बनाने के लिये संघर्ष करते रहे। 1983 की फिल्म अवतार से इंडियन सिनेमा के पहले सुपरस्टार राजेश खन्ना ने वापसी की थी। यह फिल्म बॉक्स–ऑफिस पर बहुत बड़ी हिट साबित हुई और इससे उस स्टार का करियर फिर से शुरू हो गया, जिसे 1970 के दशक के आखिर में मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। इस जबरदस्त सफलता ने सुपरस्टार के तौर पर उनकी जगह को और मजबूत किया। इस फिल्म के बाद राजेश खन्ना की सौतन और अगर तुम ना होते जैसी और भी हिट फिल्में आईं। कुछ साल पहले शबाना आजमी ने बताया था कि कैसे डायरेक्टर मोहन कुमार की फिल्म श्अवतारश ने उनके और राजेश खन्ना के लिए कई मुश्किलें खड़ी कीं। एक्ट्रेस ने बताया कि फिल्म का सबसे पसंदीदा गाना, चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है, ने दोनों को सच में कड़ी परीक्षा में डाल दिया था। यह गाना आज भी बहुत पॉपुलर है, खासकर वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले भक्तों के बीच, लेकिन इसे शूट करना एक बहुत बड़ी चुनौती थी। शबाना ने बताया कि याद किया कि मंदिर तक पहुंचने के लिए उन्हें ट्रेकिंग करनी पड़ी थी क्योंकि उस समय हेलीकॉप्टर सर्विस नहीं थी। टॉयलेट न होने की वजह से हालात और भी मुश्किल हो गए थे। शबाना आजमी का कहना था था–क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि राजेश खन्ना, एक सुपरस्टार, डालडा के डिब्बों के साथ लाइन में खड़े हों? उस समय बहुत ठंड भी थी। हम धर्मशालाओं में फर्श पर सोते थे। हमारे पास गद्दे थे जिन पर लगभग 12 कंबल की परतें थीं। हम खुद को ढकने के लिए छह कंबल की परतों का इस्तेमाल करते थे, और फिर भी हमें ठंड लगती थी। उस समय, राजेश खन्ना ऐसा नहीं कह सकते थे कि मैं एक सुपरस्टार हूं। हम सबने इसे उसी भावना से किया। शबाना आजमी ने सुपरस्टार राजेश खन्ना के साथ सात फिल्मों में काम किया और सेट के बाहर भी उनके साथ उनकी अच्छी दोस्ती थी। एक इंटरव्यू में, शबाना ने एक मजेदार पल याद करते हुए बताया कि एक बार राजेश लंगड़ाते हुए और टखने पर पट्टी बांधकर शूटिंग पर आए थे। जब पत्रकार ने उनसे पूछा कि उनके पैर को क्या हुआ है, तो उन्होंने झूठ बोला और कहा कि वह घुड़सवारी का सीन करते समय गिर गए थे। राजेश खन्ना से जब शबाना ने सवाल किया तो उन्होंने कहा–जाहिर है, मैं पत्रकार को यह नहीं बताने वाला कि, मेरा पैर धोती में फंस गया तो मैं गिर गया। मुझे अपना पल जीने दो। तुम्हारी क्या दिक्कत है?

पार्टी नहीं, इस बार इन ऑफबीट डेस्टिनेशंस पर मनाएं यादगार New Year 2026, फैमिली ट्रिप के लिए बेस्ट ये जगहें

हर साल की पार्टियों से हटकर, नए साल 2026 को यादगार बनाने के लिए दापोली, चकराता, ओरछा, तीर्थन वैली और पेलिंग जैसी ऑफबीट जगहों पर परिवार संग रोमांचक और सुकून भरी यात्रा की योजना बनाएं। इन जगहों पर आप भीड़भाड़ से दूर प्रकृति की सुंदरता, ऐतिहासिक धरोहरों और स्थानीय संस्कृति का अनूठा अनुभव प्राप्त कर सकते हैं, जो आपके न्यू ईयर सेलिब्रेशन को खास बनाएगा।

नए साल के स्वागत में अब कुछ ही समय बचा है। आज यानी 31 दिसंबर 2025 से न्यू ईयर का काउंटडाउन शुरु हो चुका है। हर कोई नए साल 2026 का वेलकम करने के लिए तैयार है। यह दिन हर किसी के लिए बेहद खास होता है। इस दिन को स्पेशल बनाने के लिए कोई लोग रोमांटिक ट्रिप का प्लान करते हैं, तो कुछ लोग घर पर ही फैमिली संग एंजॉय करते हैं। ऐसे में कुछ लोग पार्टी करते हैं, तो कुछ दोस्तों के साथ कहीं मूवी का प्लान कर लेते हैं। वैसे पार्टी तो हर साल होती है लेकिन घूमने की बात कुछ और होती है, न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए आप घूमने के लिए इन ऑफबीट जगहों पर जरुर जाएं।

दापोली, महाराष्ट्र

अगर आप गोवा की भीड़भाड़ से दूर कहीं और जाना है, तो आप महाराष्ट्र के दापोली जा सकती हैं। इसे मिनी महाबलेश्वर के नाम से भी जाना जाता है। यहां एकदम साफ और सुंदर बीच देखने को आपको मिलेगी। दापोली में डॉल्फिन देखने भी जा सकती हैं। यदि आप भी समंदर किनारे नया साल मनाना चाहती हैं और बिल्कुल भी शोर–शराबे वाली पार्टियों से दूर रहना चाहते हैं, तो इस जगह पर घूमने के लिए जरुर जाएं।

चकराता, उत्तराखंड

यदि आप भीड़भाड़ से दूर किसी शांत जगह पर न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए नैनीताल–मसूरी को छोड़कर आप चकराता जा सकती हैं। ये एक छोटा सा और बहुत ही शांत हिल स्टेशन है। यहां के ऊंचे देवदार के पेड़ और बर्फ से ढकी चोटियां आपको सुकून देंगी। चकराता में आप टाइगर फॉल्स जरुर एक्सप्लोर करना जरुर जाएं। न्यू ईयर की शाम को शानदार बनाने के लिए आप अपने परिवार के साथ बोनफायर का मजा ले सकते हैं।

ओरछा, मध्य प्रदेश

अगर आपके परिवार को इतिहास और वास्तुकला में रुचि है, तो ओरछा घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह है। बेतवा नदी के तट पर स्थित यह शहर अपने भव्य महलों और प्राचीन मंदिरों के लिए दुनियाभर में जाना जाता है। यहां होने वाला लाइट एंड साउंड शो बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को खूब आकर्षित करता है। ओरछा की खास बात यह है कि यहां की यात्रा आप कम बजट में भी आराम से प्लान कर सकती हैं।

तीर्थन वैली, हिमाचल प्रदेश

कुल्लू के एकदम नजदीक बसी ये घाटी नेचर लवर्स के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है। यहां आप नदी के किनारे बैठकर घंटों सुकून के पल बिता सकती हैं या ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क की सैर कर सकती है। यहां का होमस्टे का कल्चर बहुत अच्छा है, जहां आप पहाड़ी कल्चर और खाने का लुत्फ उठाएं।

पेलिंग, सिक्किम

नेचर लवर के लिए नॉर्थ–ईस्ट इंडिया के किसी स्वर्ग से कम नहीं है। ऐसे में आप न्यू ईयर के मौके पर पेलिंग सिक्किम जरुर जाएं। सिक्किम में बसी ये जगह आपको जन्नत का एहसास दिलाएगी। यहां से कंचनजंगा पर्वत का सबसे साफ और सुंदर नजारा देखने को मिलता है। यहां के मठ और स्काईवॉक सबसे ज्यादा खूबसूरत माना जाता है।

सर्दियों में सेहत का खजाना है पाया सूप, मजबूत हड्डियों के साथ मिलेंगे ये 5 बड़े फायदे

सर्दी के मौसम में शरीर को गर्माहट, ताकत और मजबूत इम्युनिटी की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। ऐसे में पाया सूप एक बेहतरीन सुपरफूड माना जाता है। यह न सिर्फ हड्डियों और जोड़ों को मजबूती देता है, बल्कि इम्युनिटी बढ़ाने से लेकर पाचन सुधारने तक कई फायदे पहुंचाता है। अच्छी बात यह है कि पाया सूप घर पर आसानी से बनाया जा सकता है। आइए जानते हैं सर्दियों में पाया सूप पीने के फायदे और इसकी आसान रेसिपी।

क्या है पाया सूप

पाया सूप दरअसल बकरी या भेड़ के पैरों (पाए) को धीमी आंच पर लंबे समय तक पकाकर तैयार किया जाता है। इस प्रक्रिया में हड्डियों से निकलने वाला कोलेजन, मिनरल्स और प्रोटीन पानी में घुल जाते हैं, जिससे यह सूप बेहद पौष्टिक बन जाता है।

पाया सूप पीने के 5 बड़े फायदे

हड्डियों और जोड़ों को देता है मजबूती

पाया सूप कोलेजन, जिलेटिन, ग्लूकोजामाइन और कॉन्ड्रोइटिन का बेहतरीन स्रोत है।

यह जोड़ों के दर्द को कम करता है।

हड्डियों की कमजोरी दूर करता है।

घुटनों और कमर के दर्द में राहत देता है।

इम्युनिटी को करता है मजबूतः इस सूप में मौजूद मिनरल्स और अमीनो एसिड शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं। नियमित सेवन से सर्दी–जुकाम और संक्रमण से बचाव होता है।

प्रोटीन से भरपूर, थकान करे दूर

पाया सूप एक नेचुरल प्रोटीन पावरहाउस है।

यह कमजोरी दूर करता है।

शरीर को एनर्जी देता है।

सर्दियों में सुस्ती से बचाता है।

पाचन के लिए बेहद फायदेमंद

यह सूप हल्का होता है और आसानी से पच जाता है।

यह आंतों की सेहत सुधारता है।

गैस और अपच की समस्या कम करता है।

पेट को अंदर से मजबूत बनाता है।

त्वचा और बालों के लिए वरदान

हाई कोलेजन के कारण पाया सूप।

त्वचा की इलास्टिसिटी बढ़ाता है।

झुर्रियों को कम करता है।

बालों को मजबूत और चमकदार बनाता है।

घर पर पाया सूप बनाने की आसान रेसिपी

सामग्री

पाएः 4 से 6 (अच्छी तरह साफ किए हुए)

पानीः 6 से 8 कप

अन्य सामग्री

प्याज 1 मध्यम (बारीक कटा हुआ)

अदरक–लहसुन का पेस्ट 2 चम्मच

साबुत गरम मसाले

तेज पत्ताः 2

बड़ी इलायचीः 1

दालचीनीः 1 इंच

लौंगः 4–5

काली मिर्चः 8–10 दाने

पाउडर मसाले

हल्दी) 1 चम्मच

धनिया पाउडर 1 चम्मच

काली मिर्च पाउडर) चम्मच

नमक दृ स्वादानुसार

तेल या घीः 2/3 चम्मच

गार्निश– हरा धनिया, नींबू का रस

बनाने की विधि

सबसे पहले पाए को अच्छी तरह धो लें।

प्रेशर कुकर में तेल या घी गर्म करें और प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें।

अदरक–लहसुन का पेस्ट डालकर कच्ची महक खत्म होने तक भूनें।

हल्दी और धनिया पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं।

अब पाए और सभी साबुत मसाले डालकर 2 मिनट तक भूनें।

नमक और 6–8 कप पानी डालें, ताकि पाए पूरी तरह डूब जाएं।

कुकर बंद करें, तेज आंच पर 1 सीटी दें, फिर आंच धीमी कर 35–40 मिनट पकाएं।

प्रेशर निकलने पर सूप को छानें और कटोरे में निकालें।

ऊपर से काली मिर्च, हरा धनिया और नींबू का रस डालकर गरम–गरम परोसें।

सर्दियों में अगर आप मजबूत हड्डियां, बेहतर इम्युनिटी और एनर्जी चाहते हैं, तो पाया सूप को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। यह एक नेचुरल, पौष्टिक और बेहद असरदार सुपरफूड है।

ब्लड शुगर बढ़ गया है तो तेजी से होगा कम, डॉक्टर ने बताया कंट्रोल करने का तरीका

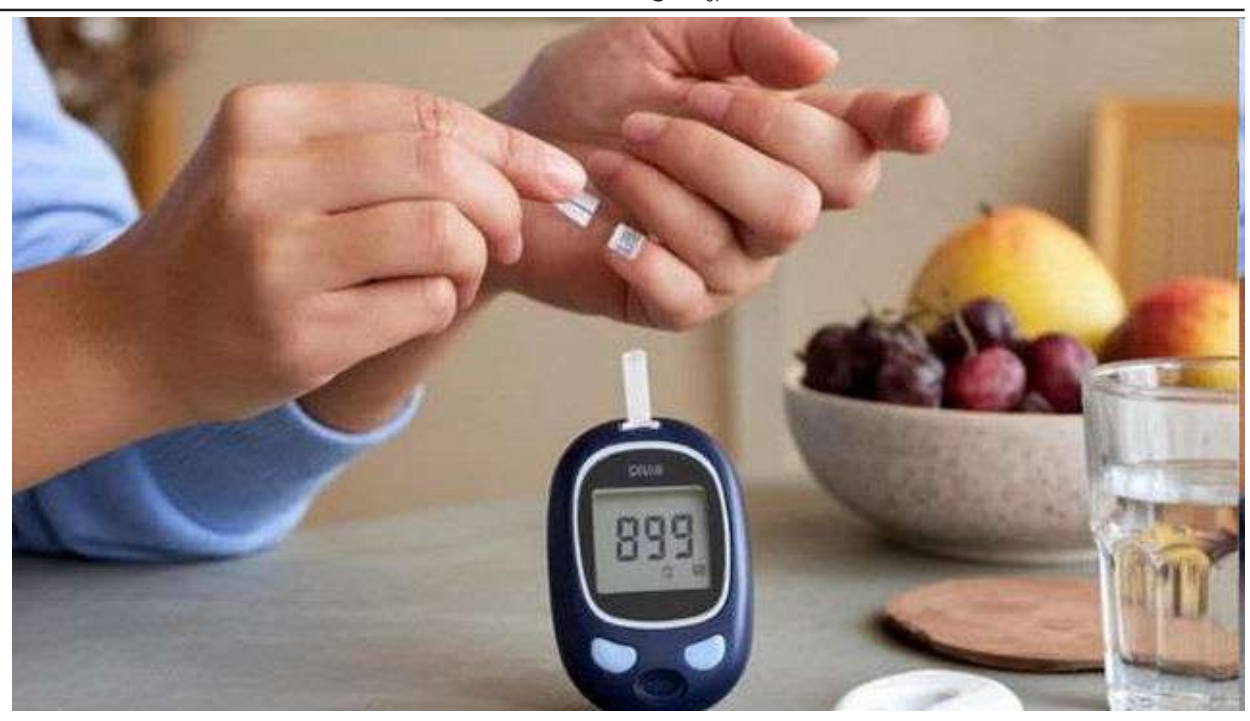

अगर आपका ब्लड शुगर अचानक बढ़ जाए तो सही उपाय अपनाकर इसे जल्दी कंट्रोल किया जा सकता है। हाई–कार्ब खाना, तनाव, नींद की कमी या कम एक्टिविटी जैसी वजहों से ब्लड शुगर अचानक ऊपर जा सकता है। लेकिन समय पर सही कदम उठाने से शुगर कुछ ही मिनटों में संतुलित हो सकता है।

जाने–माने डॉक्टर एरिक बर्ग ने कुछ आसान और तेज असर करने वाले तरीके बताए हैं, जो वैज्ञानिक रूप से सही साबित हुए हैं। ये न सिर्फ ब्लड शुगर को जल्दी घटाते हैं, बल्कि शरीर पर इसके नकारात्मक असर को भी कम करते हैं।

हाई–इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग

एचआईआईटी का मतलब है थोड़े समय के लिए बहुत तेज एक्सरसाइज करना और फिर थोड़ी देर आराम करना। इससे शरीर में जमा एक्स्ट्रा शुगर जल्दी कम हो जाती है। यह तरीका कुछ ही मिनटों में ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है।

एप्पल साइडर विनेगर

एप्पल साइडर विनेगर में मौजूद एसीटिक एसिड खाने के बाद ब्लड शुगर बढ़ने की रफ्तार को धीमा करता है। अगर आपने हाई–कार्ब खाना खा लिया है, तो 1 टेबलस्पून एसीवी को एक गिलास पानी में मिलाकर पीने से ब्लड शुगर स्पाइक 30–35ः तक कम हो सकता है।

खाने के बाद 25–30 मिनट की वॉक

भारी कार्ब खाने के बाद 25–30 मिनट पैदल चलना ब्लड शुगर को तुरंत ऊर्जा में बदल देता है। इससे शुगर बढ़ने से रोकने में मदद मिलती है और शरीर सुरक्षित रहता है।

पोटैशियम और मैग्नीशियम

पोटैशियमरू यह शुगर को लीवर और मांसपेशियों में स्टोर करने में मदद करता है। इसकी कमी से शुगर कोशिकाओं तक नहीं पहुंच पाती और इंसुलिन बढ़ जाता है। मैग्नीशियमरू यह इंसुलिन बनाने वाली कोशिकाओं के लिए जरूरी है और डायबिटिक लोगों में अक्सर इसकी कमी रहती है।

नमक वाला पानी

तनाव की वजह से ब्लड शुगर अचानक बढ़ सकता है। समुद्री नमक को पानी में मिलाकर पीने से तनाव कम होता है, नींद बेहतर आती है और रात का ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है।

ड्राई फास्टिंगः सबसे ताकतवर तरीका

ड्राई फास्टिंग में आप न खाना खाते हैं और न पानी पीते हैं। यह ब्लड शुगर को तेजी से कम करने का सबसे असरदार तरीका है। इस दौरान शरीर हल्का डिहाइड्रेट हो जाता है और एक खास हार्मोन बनता है जो इंसुलिन के उल्टा काम करता है। इसके फायदे

ब्लड शुगर जल्दी घटता है

ग्रोथ हार्मोन बढ़ता है

एंटीऑक्सीडेंट बनते हैं

फैट बर्निंग तेज होती है

नोटः यह जानकारी केवल सामान्य ज्ञान के लिए है। ब्लड शुगर को नियंत्रित करने के लिए हमेशा अपने डॉक्टर से सलाह लें।

मनाली के 'गुप्त' स्वर्ग का दीदार, बर्फीले पहाड़ों के बीच यह झील, एडवेंचर और सुकून का बेमिसाल संगम

सर्दियों के मौसम में पहाड़ों पर घूमने का अपना मजा होता है। बर्फ से ढके पहाड़ों का दीदार करना करीब हर किसी की विश लिस्ट में होती है। इस वजह से स्नो फॉल का लुत्फ उठाने के लिए अधिकतर लोग सर्दियों के मौसम में शिमला–मनाली जाते हैं। नवंबर से लेकर फरवरी तक मनाली का दृश्य देखने लायक होता है। यहां के पहाड़ों पर लिपटी बर्फ की मोटी चादरें पर्यटकों के लिए स्वर्ग जैसे अनुभव दिलाती हैं। ऐसे में अगर आप भी बर्फबारी देखने के लिए मनाली की टिकट बुक करवा चुके हैं, तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मनाली की एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बारे में अधिकतर लोग नहीं जानते हैं। यह जगह मनाली के पहाड़ों में छिपा हुआ कुदरत का एक नायाब तोहफा है, जो अभी भी लोगों की नजरों से बची हुई है। तो आइए जानते हैं इस खूबसूरत जगह के बारे में...

बेमिसाल है चंद्रा नदी की खूबसूरती

हिमाचल प्रदेश के लाहौल–स्पीति क्षेत्र से बहने वाली चंद्रा नदी एक बेहद खूबसूरत नदी है। यह नदी हिमाचल प्रदेश में चंद्रताल झील से निकलती है। यह लेक हिमाचल प्रदेश के लाहौल में करीब 4,300 मीटर की ऊंचाई पर स्थित एक अर्धचंद्राकार झील है। इसी खूबसूरत झील से चंद्रा नदी निकलती है।

हालांकि अभी भी काफी कम लोगों को इस नदी के बारे में पता है। मनाली में सिस्सू से गुजरते हुए यह नदी देखने को मिलेगी। यह नदी अपनी खूबसूरती के लिए जानी जाती है। यहां पर आप रिवर राफ्टिंग जैसी एक्टिविटी होती है। ऐसे में अगर आप भी मनाली घूमने के लिए जा रहे हैं, तो चंद्रा नहीं जाना न भूलें।

आंखों को सुकून देंगे यहां के नज़ारे

प्रकृति प्रेमियों के लिए चंद्रा नदी की खूबसूरती ही नहीं बल्कि फोटोग्राफी के लिए भी यह अद्वितीय जगह है। बर्फ से ढके पर्वतों के बीच से निकलती नदी का पानी शीशे की तरह चमकता है। वहीं पानी बहने की ध्वनि आपके मन को ताजगी से भर देती है। वहीं सुबह और शाम के समय जब सूर्य की सुनहरी किरणें पानी पर पड़ती हैं, तो यह अद्भुत दृश्य देखने लायक होता है। यहां का शांत वातावरण भागदौड़ से दूर ऐसी जगह जो कम को सुकून देने का काम करता है।

क्या हुआ विश्व चैंपियन डेमियन मार्टिन को ? ऑस्ट्रेलिया का यह दिग्गज गंभीर बीमारी के बाद कोमा में

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के पूर्व स्टार बल्लेबाज डेमियन मार्टिन गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं और इस वक्त ब्रिस्बेन के एक अस्पताल में भर्ती हैं। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 54 वर्षीय मार्टिन को मेनिन्जाइटिस हुआ है, जिसके बाद उनकी हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें इंड्यूस्ड कोमा (डॉक्टरों की निगरानी में कोमा में) में रखा है। उनकी स्थिति को नाजुक, लेकिन स्थिर बताया जा रहा है। मार्टिन के अचानक बीमार पड़ने की खबर सामने आते ही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट जगत में चिंता की लहर दौड़ गई। पूर्व और मौजूदा क्रिकेटरों, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और फैंस ने सोशल मीडिया के जरिये उनके जल्द ठीक होने की कामना की है।

अस्पताल में चल रहा है इलाज

बताया जा रहा है कि डेमियन मार्टिन पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ महसूस कर रहे थे, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जांच में मेनिन्जाइटिस की पुष्टि हुई और स्थिति गंभीर होने पर उन्हें इंड्यूस्ड कोमा में रखा गया। करीबी सूत्रों के मुताबिक, उन्हें सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा दी जा रही है और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर और मार्टिन के करीबी दोस्त एडम गिलक्रिस्ट ने न्यूज कॉर्प से बातचीत में कहा, उन्हें सबसे बेहतर इलाज मिल रहा है। उनकी पार्टनर अमांडा और परिवार को यह भरोसा है कि क्रिकेट जगत से मिल रही दुआएं और शुभकामनाएं उन्हें ताकत देंगी।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और दिग्गजों की प्रतिक्रिया

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने भी मार्टिन के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा, डेमियन की बीमारी की खबर से मैं बेहद दुखी हूं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और पूरे क्रिकेट समुदाय की शुभकामनाएं इस वक्त उनके साथ हैं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज और साथी खिलाड़ी डैरेन लेहमैन ने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश

लिखते हुए कहा, डेमियन मार्टिन के लिए ढेर सारा प्यार और दुआएं भेज रहे हैं। मजबूत रहो और संघर्ष करते रहो, महान खिलाड़ी। पूर्व तेज गेंदबाज रॉडनी हॉग ने भी इसे चौंकाने वाली खबर बताते हुए उनके जल्द ठीक होने की कामना की।

शानदार टेस्ट करियर की कहानी

डेमियन मार्टिन ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के सबसे सधे हुए और स्टाइलिश बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 67 टेस्ट मैच खेले और 46.37 की शानदार औसत से रन बनाए। उनका स्ट्रोकप्ले सहज और आकर्षक था, जो उन्हें अलग पहचान देता था। मार्टिन का जन्म डार्विन में हुआ था और उन्होंने महज 21 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया। उन्होंने 1992–93 में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में दिवंगत डीन जोंस की जगह टीम में एंट्री की। 23 साल की उम्र में वह वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के कप्तान भी बने।

भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ यादगार प्रदर्शन

मार्टिन भारत के खिलाफ भारत में ऑस्ट्रेलिया की आखिरी टेस्ट सीरीज जीत (2004 बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी) में प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे। उस दौरे पर उन्होंने आठ पारियों में से चार में ऑस्ट्रेलिया के लिए टॉप स्कोर किया था। उनका टेस्ट करियर का सर्वोच्च स्कोर 165 रन रहा, जो उन्होंने 2005 में न्यूजीलैंड के खिलाफ बनाया था। अपने करियर में उन्होंने कुल 13 टेस्ट शतक लगाए।

वनडे और वर्ल्ड कप में भी चमक

टेस्ट क्रिकेट के अलावा डेमियन मार्टिन ने वनडे क्रिकेट में भी शानदार योगदान दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 208 वनडे मैच खेले और 40.8 की औसत से रन बनाए। मार्टिन 1999 और 2003 वर्ल्ड कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का अहम हिस्सा रहे। 2003 वर्ल्ड कप फाइनल में भारत के खिलाफ उन्होंने टूटी अंगुली के बावजूद नाबाद 88 रन की ऐतिहासिक पारी खेली और कप्तान रिकी पोंटिंग के साथ 234 रन की साझेदारी की। वह 2006 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे।

संन्यास और शांत जीवन

मार्टिन ने 2006–07 एशेज सीरीज के दौरान एडिलेड टेस्ट में अपना आखिरी टेस्ट मैच खेला। इसके बाद उन्होंने अचानक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया, जो कई लोगों के लिए चौंकाने वाला फैसला था। संन्यास के बाद उन्होंने कुछ समय तक कमेंट्री की, लेकिन हाल के वर्षों में वह लाइमलाइट से दूर शांत जीवन जी रहे थे।

क्या टीम इंडिया में फिर लौटेंगे शमी? घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद BCCI की बदली सोच

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के चयनकर्ता मोहम्मद शमी को लेकर बड़ा यू–टर्न ले सकते हैं। लंबे समय से फिटनेस, फॉर्म और भविष्य को लेकर चल रही अटकलों के बीच 35 वर्षीय तेज गेंदबाज एक बार फिर चयनकर्ताओं के रडार पर हैं। 2027 वनडे वर्ल्ड कप अब उनकी संभावित वापसी के लिए एक अहम संदर्भ बिंदु बनता दिख रहा है।

चयनकर्ताओं की सोच में बदलाव

एनडीटीवी से बातचीत में बीसीसीआई के एक सूत्र ने संकेत दिया कि शमी की घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन पर करीबी नजर रखी जा रही है। सूत्र के मुताबिक, शमी अब चयन की दौड़ से बाहर नहीं हैं और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में उनका नाम चौंकाने वाला नहीं होगा। चयनकर्ता मानते हैं कि इस स्तर के गेंदबाज को विकेट लेना आता है, असली चिंता केवल फिटनेस को लेकर है।

आंकड़े जो चर्चा जिंदा रखते हैं

शमी का मामला इसलिए भी खत्म नहीं हुआ क्योंकि उनके आंकड़े लगातार पक्ष में बोलते रहे हैं। हाल के छह घरेलू मैचों में उन्होंने 17 विकेट लिए हैं, जिनमें विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी शामिल हैं। रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सत्र में भी उन्होंने सिर्फ चार मैचों में 20 विकेट झटककर साबित किया कि उनकी धार अब भी कायम है।

फिटनेस: सबसे बड़ी परेशानी थी

शमी की राह में सबसे बड़ा रोड़ा हमेशा फिटनेस रही है। 2023 वर्ल्ड कप के बाद से उन्हें टखने और घुटने की बार–बार चोटों से जूझना पड़ा। सर्जरी और लंबे रिहैब ने उनकी निरंतरता तोड़ी, जिससे चयनकर्ता सतर्क रहे। हालांकि, शमी ने कई बार यह दावा

किया कि वह फिट हैं और बंगाल के लिए घरेलू क्रिकेट खेलकर उन्होंने इसे साबित भी किया।

सार्वजनिक बयान और चयनकर्ताओं की प्रतिक्रिया

इस साल की शुरुआत में शमी ने ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर रहने पर चयनकर्ताओं पर सार्वजनिक तौर पर तंज कसा था। इस पर चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने संतुलित प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर शमी पूरी तरह फिट होते तो वह निश्चित तौर पर टीम के साथ होते।

संक्षिप्त

सोना–चांदी ने तोड़ दिए सभी रिकॉर्ड, क्या 2026 में भी कायम रहेगी ये बादशाहत?

2025 के आखिरी कुछ दिनों में सोने और चांदी की कीमतों में थोड़ी नरमी आई है, लेकिन समग्र परिदृश्य अपरिवर्तित है। 2025 के अंत तक दोनों धातुएं अपने अब तक के सबसे मजबूत वर्षों में से एक की ओर बढ़ रही हैं। कई महीनों की तीव्र वृद्धि के बाद, कुछ निवेशक मुनाफा कमा रहे हैं, जिससे सोने और चांदी में अल्पकालिक कमजोरी आई है। फिर भी, कीमतें साल की शुरुआत की तुलना में कहीं अधिक हैं। 2025 में, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स) पर सोने की कीमतों में लगभग 78: की वृद्धि हुई – 20 दिसंबर, 2024 को 75,233 रुपये से बढ़कर 22 दिसंबर, 2025 को 1,33,589 रुपये हो गई। वहीं, चांदी ने इसी अवधि में 144: का जबरदस्त रिटर्न दिया, जो 85,146 रुपये से बढ़कर 2,08,062 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, इसकी तुलना में, शेयर बाजार सूचकांक ने इसी अवधि में केवल 10.18: का रिटर्न दिया। मजबूत वैश्विक संकेतों के अनुरूप मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 1,000 रुपये उछलकर 2.41 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। हालांकि, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में लगातार दूसरे दिन गिरावट जारी रही। यह 2,800 रुपये टूटकर 1,39,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रही। सोमवार को यह 1,41,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रही थी। केंद्रीय बैंकों द्वारा भारी खरीदारी और चांदी की बढ़ती औद्योगिक मांग के कारण इस वर्ष सोने और चांदी की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं। एक अन्य प्रमुख कारक वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ती अनिश्चितता थी, विशेष रूप से अमेरिका द्वारा टैरिफ बढ़ाने के बाद, जिसने निवेशकों को सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर धकेल दिया। वैश्विक विकास पर टैरिफ का दबाव अभी भी बना हुआ है, ऐसे में निवेशकों के लिए एक अहम सवाल यह है कि क्या अर्थव्यवस्थाएं 2026 में उबर पाएंगी या अनिश्चितता बनी रहेगी। इसी अनिश्चितता के चलते नए साल में निवेश के विकल्पों के तौर पर सोने और चांदी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की उपाध्यक्ष और एस्पेक्ट ग्लोबल वेंचर्स की कार्यकारी अध्यक्ष अक्षा कंबोज का कहना है कि अल्पकालिक उतार–चढ़ाव के बावजूद, दोनों धातुओं की कीमतों में 2026 तक सकारात्मक रुख बने रहने की उम्मीद है। उनके अनुसार, मजबूत मांग कीमतों को समर्थन देना जारी रखेगी।

स्किल इंडिया मिशन की पहल के तहत एआई प्रमाणपत्र देंगी राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एक जनवरी को स्किल इंडिया मिशन की पहल एसओएआर... एआई के लिए लिए कौशल तैयारी के तहत आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में शामिल होंगी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार यह कार्यक्रम भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) द्वारा आयोजित किया जा रहा है। यह एआई आधारित भविष्य के लिए कार्यबल को तैयार करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राष्ट्रपति छात्रों और संसद सदस्यों सहित शिक्षार्थियों को कृत्रिम मेधा (एआई) के प्रमाणपत्र प्रदान करेंगी और भविष्य–उन्मुख कौशल कार्यक्रमों में अधिक युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय जागरूकता अभियान स्किल द नेशन चौलेंज की शुरुआत करेंगी। कार्यक्रम के तहत एमएसडीई राष्ट्रपति भवन में एआई फॉर बिगिनर्स विषय पर एक विशेष सत्र आयोजित करेगा। यह सत्र एक संक्षिप्त संवादात्मक शिक्षण मॉड्यूल होगा, जिसे मंत्रालय के प्रमुख एआई कौशल साझेदार गूगल के सहयोग से एक विश्व प्रसिद्ध एआई विशेषज्ञ द्वारा संचालित किया जाएगा। राष्ट्रपति ओडिशा में रायरंगपुर स्थित इग्नू क्षेत्रीय केंद्र का वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये उद्घाटन भी करेंगी।

रुपया शुरुआती कारोबार में 15 पैसे टूटकर 89.90 प्रति डॉलर पर

विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू शेयर बाजारों की सुस्त शुरुआत के बीच रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 15 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.90 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारतीय शेयर को बेचना जारी रखे हुए हैं जिससे पिछले कुछ महीनों में भारतीय रुपये पर दबाव पड़ रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 89.89 पर खुला। फिर टूटकर 89.90 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 15 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.75 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.27 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर सेंसेक्स शुरुआती कारोबार 188.31 अंक चढ़कर 84,863.39 अंक पर जबकि निफ्टी 80.70 अंक की बढ़त के साथ 26,009.55 अंक पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 61.30 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3,844.02 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

सेंसेक्स, निफ्टी में शुरुआती कारोबार में तेजी

घरेलू संस्थागत निवेशकों की निरंतर खरीदारी से सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को शुरुआती कारोबार में तेजी दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स पांच सत्र की गिरावट के बाद आज शुरुआती कारोबार में 254.38 अंक चढ़कर 84,929.46 अंक पर पहुंच गया। वहीं, चार सत्र की गिरावट के बाद एनएसई निफ्टी 89.15 अंक की बढ़त के साथ 26,028 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से टाटा स्टील, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाइटन, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। हालांकि बजाज फिनसर्व, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, महिंद्रा एंड महिंद्रा और इन्फोसिस के शेयर में गिरावट देखी गई। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का एसएसई कम्पोजिट इंडेक्स और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट में रहे।

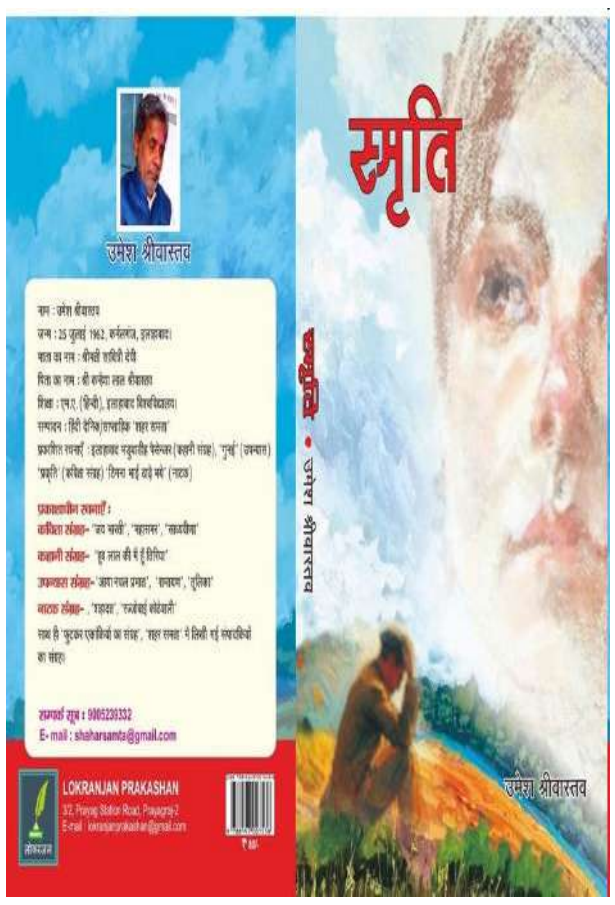

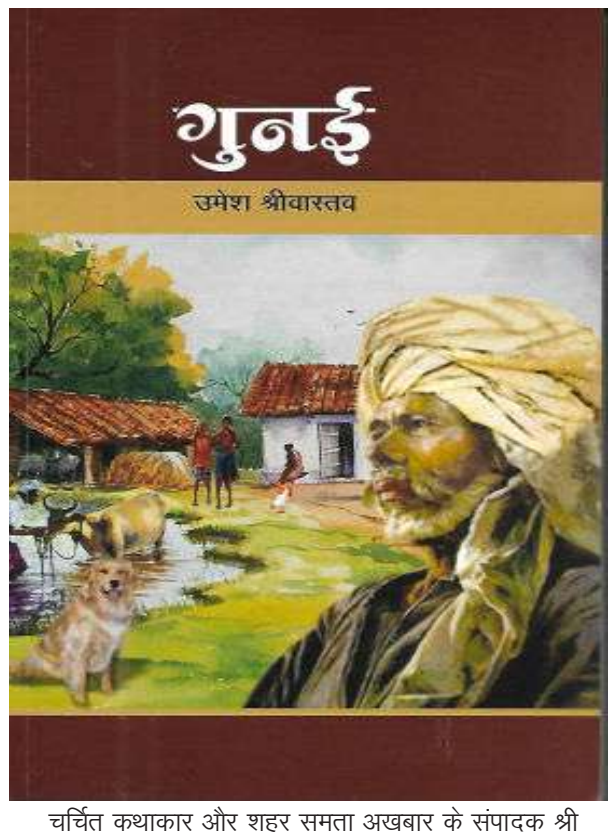

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

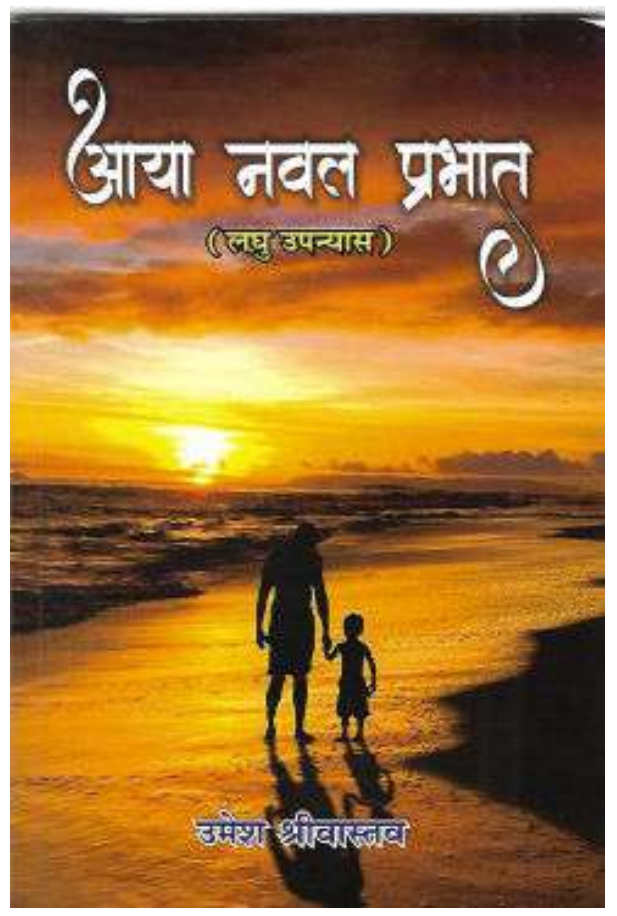

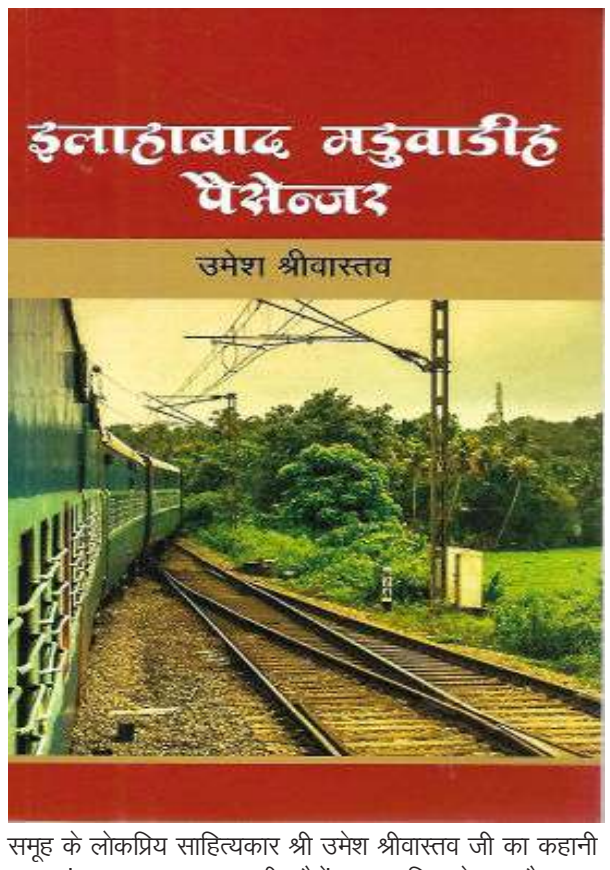

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

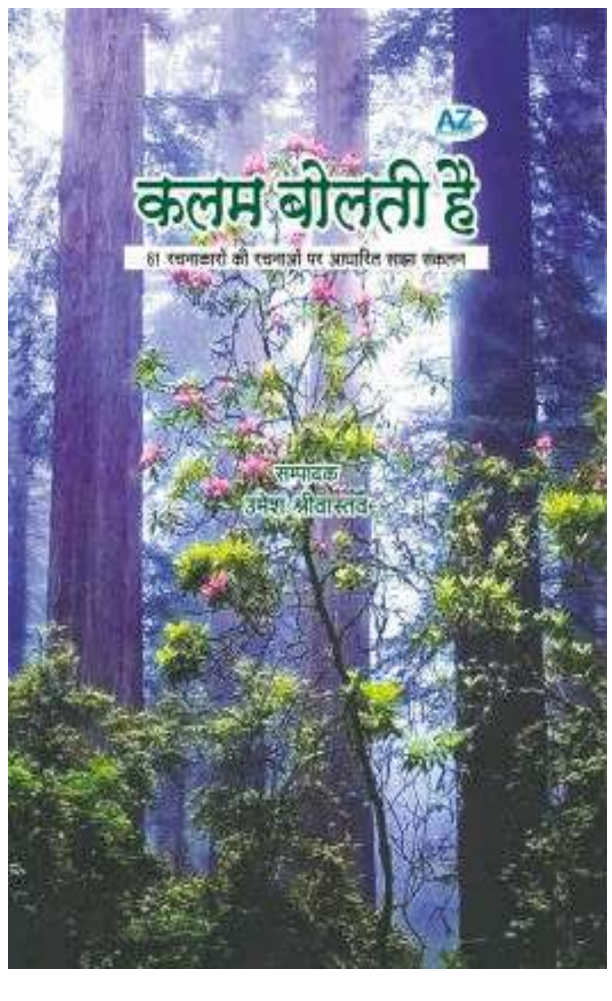

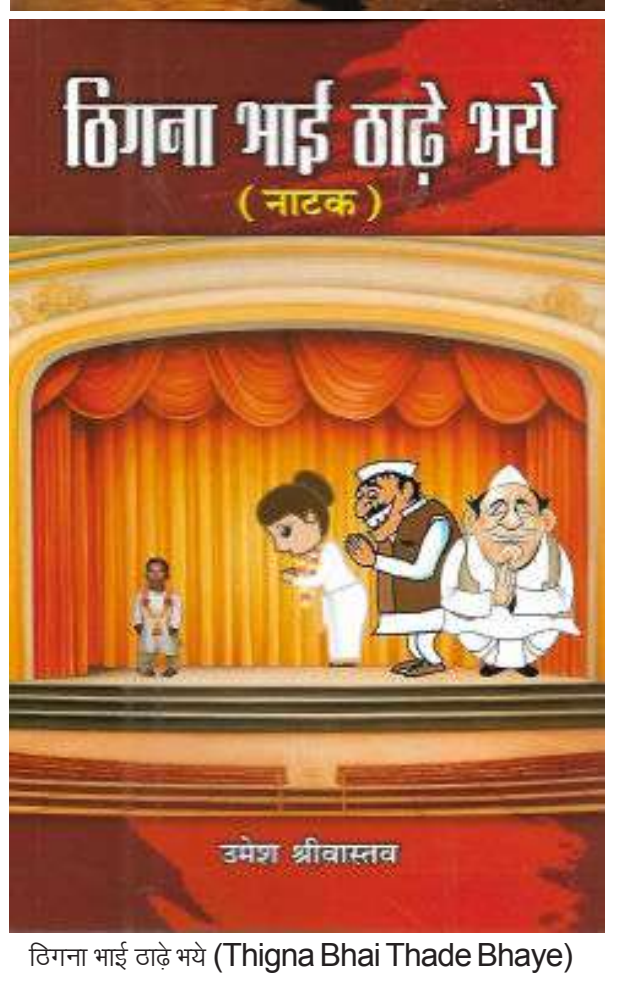

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

ये खूबसूरत लड़की बनेगी प्रधानमंत्री ? अचानक जायमा की एंट्री से हिला बांग्लादेश

बांग्लादेश में हिंसा और प्रदर्शनों के बीच चुनाव कराए जाने की चर्चा तेज है। सवाल भारत और बांग्लादेश के रिश्तों को लेकर भी है। वजह बांग्लादेश के बनने से लेकर अब तक भारत की बांग्लादेश को दी जाने वाली मदद और सहायता शेख हसीना के निर्वासित होने के बाद बीएनपी चुनाव में प्रबल दावेदार मानी जा रही है। ऐसे में बांग्लादेश की राजनीति में एक बार फिर जिया परिवार चर्चा के केंद्र में आ चुका है। लेकिन इस बार वजह सिर्फ बांग्लादेश नेशलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान की 17 साल बाद वतन वापसी की नहीं बल्कि उनकी बेटी बैरिस्टर जायमा रहमान का राजनीति की ओर बढ़ता कदम है। जिया परिवार की चौथी पीढ़ी अब सियासी मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है और यही वजह है कि ढाका से दिल्ली तक इस एंट्री को बेहद अहम माना जा रहा है। 25 दिसंबर को तारिक रहमान अपनी पत्नी डॉक्टर जुबाईदा रहमान और बेटी जायमा रहमान के साथ लंदन से ढाका लौटे। एयरपोर्ट पर हजारों समर्थकों की मौजूदगी ने साफ कर दिया कि बीएनपी इसे सिर्फ घर वापसी नहीं बल्कि राजनीतिक पुनरागमन के तौर पर देख रही है।

जायमा रहमान कौन हैं?

जायमा रहमान बांग्लादेश की राष्ट्रीय राष्ट्रीय परिषद (बीएनपी) के अध्यक्ष तारिक रहमान की इकलौती बेटी और बांग्लादेश के दो सबसे प्रमुख राजनीतिक शख्सियत दिवंगत खालिदा ज़िया और दिवंगत राष्ट्रपति ज़ियाउर रहमान की पोती हैं। यूनाइटेड किंगडम में वकालत की पढ़ाई करने के बाद, वह पिछले 17 वर्षों से ज़्यादातर बांग्लादेश से बाहर ही रही हैं। बांग्लादेश के कई राजनीतिक परिवारों के सदस्यों के विपरीत, ज़ैमा को राजनीति का ज़्यादा अनुभव नहीं है, क्योंकि उन्होंने न तो किसी पार्टी में कोई औपचारिक पद संभाला है और न ही चुनाव लड़ा है। उनकी सार्वजनिक छवि ज़्यादा उभरकर सामने नहीं आई है, और उनकी पेशेवर पहचान राजनीति से ज़्यादा लंदन स्थित वकालत के पेशे से जुड़ी है।

2001 का बांग्लादेशी चुनाव और एक फुटबॉल मैच

जायमा पहली बार मीडिया की सुर्खियों में तब आईं जब वह, उस समय 6 साल की थीं, 2001 के बांग्लादेशी राष्ट्रीय चुनावों में अपनी दादी खालिदा ज़िया के साथ मतदान केंद्र गई थीं। बीएनपी ने भारी बहुमत से जीत हासिल की और उनकी दादी प्रधानमंत्री बनीं। ढाका ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के अनुसार, जायमा ने हाल ही में फेसबुक पोस्ट में अपनी सबसे प्यारी यादों में से एक को साझा किया, जब फुटबॉल टूर्नामेंट जीतने के बाद उन्हें खालिदा के कार्यालय ले जाया गया था। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि जब मैं लगभग ग्यारह साल का था, तब हमारे हाई स्कूल की टीम ने एक फुटबॉल टूर्नामेंट जीता। मेरी माँ मुझे सीधे दादू के दफ्तर ले गईं ताकि मैं उन्हें अपना मेडल दिखा सकूँ और उन्हें खुद इसके बारे में बता सकूँ। जब मैं जोश से अपने गोलकीपिंग के कारनामों के बारे में बता रहा था, तब मुझे इस बात का पूरा एहसास था कि वह कितनी ध्यान से सुन रही थीं और कितना गर्व महसूस कर रही थीं। इतना कि वह बचपन की यह कहानी दूसरों को भी सुनाती थीं।

जायमा रहमान और बांग्लादेश का जुलाई आंदोलन

हालांकि जायमा रहमान ने अब तक कोई औपचारिक पार्टी पद नहीं संभाला और ना ही किसी चुनाव में उतरी हैं। लेकिन बीते कुछ महीनों में उनकी सक्रियता बढ़ी है। वे बीएनपी की बैठकों में शामिल हुई। यूरोपीय प्रतिनिधियों से मुलाकात में मौजूद रहीं और वाशिंगटन डीसी में नेशनल प्रेयर ब्रेकफास्ट में बीएनपी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा भी बनी। यह सब संकेत दे रहे हैं कि उनकी भूमिका सिर्फ पारिवारिक नहीं बल्कि राजनीतिक होने जा रही है। जायमा 2021 में राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आईं, जब अवामी लीग के मंत्री मुराद हसन ने उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। बाद में हसन को इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा और मानहानि के आरोप में उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया। बांग्लादेश में छात्रों के नेतृत्व में हुई हिंसक जुलाई क्रांति के बाद ज़ैमा ने पहली बार राजनीतिक कदम उठाए, जब उन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों में अपने पिता के साथ जाना और उनका प्रतिनिधित्व करना शुरू किया।उन्होंने वाशिंगटन डीसी में आयोजित राष्ट्रीय प्रार्थना भोज में अपने पिता की ओर से भाग लिया। वह बीएनपी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थीं, जिसमें पार्टी नेता मिर्ज़ा फ़खरुल और अमीर खसरू भी शामिल थे।

संक्षिप्त

10 परमाणु मिसाइल तान दिए, पुतिन के घर पर अटैक के बाद रूस ने उठा लिया बड़ा कदम

रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन के आवास पर ड्रोन हमले की कोशिश के बाद हालात तेजी से बिगड़ते नजर आ रहे हैं। मॉस्को का दावा है कि यूक्रेन ने बड़े पैमाने पर ड्रोन अटैक किया और अब उसके ठीक बाद रूस ने ऐसा कदम उठा लिया जिसने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी। दरअसल रूस ने ऐलान किया है कि उसने अपने सबसे नए और परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम मिसाइल सिस्टम को बेलारूस में तैनात कर दिया है। बेलारूस यूक्रेन का पड़ोसी देश है। यानी अब यूक्रेन खुद को दो तरफ से रूस के न्यूक्लियर दबाव में महसूस कर

रहा है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने इस तैनाती से जुड़ा एक वीडियो भी जारी किया। फुटेज में नई ओरिसनिक मिसाइल सिस्टम को बर्फ से ढके जंगलों के बीच से गुजरते हुए दिखाया गया। रूसी सैनिक पूर्वी बेलारूस के एक एयरबेस पर लड़ाकू विमान को हरी जाली से ढकते तैयारियां करते और झंडा फहराते नजर आ रहे हैं। बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशको ने साफ कहा कि उनके देश में कुल 10 ओरिस्टनिक मिसाइल सिस्टम तैनात किए जाएंगे। वहीं पुतिन ने अपने टॉप जनरल्स के साथ बैठक में ऐलान किया कि यह सिस्टम अब एक्टिव ड्यूटी में आ चुके हैं। इतना ही नहीं पुतिन ने यूक्रेन के और इलाकों पर कब्जे के इरादे को भी दोहरा दिया जिससे संकेत मिलते हैं कि युद्ध और तेज हो सकता है। दरअसल यह विवाद और तब बढ़ गया जब रूस ने दावा किया कि यूक्रेन की ओर से पुतिन के आवास पर कथित ड्रोन हमले की कोशिश की गई। हालांकि यूक्रेन ने इन आरोपों को नकारा लेकिन इसके बाद से इस क्षेत्र में तनाव और बढ़ता जा रहा है। इससे पहले रूस के विदेश मंत्री सरगई लाबरोव ने साफ चेतावनी दी थी कि यूक्रेन से बदला लिया जाएगा और इसके लिए टारगेट पहले से तय है। हालांकि यूक्रेन ने पुतिन के आवास पर ड्रोन हमले के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। राष्ट्रपति जेलस्की ने इसे झूठ करार दिया। रूस की तरफ से भी अभी तक कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया गया। वहीं क्रमन के प्रवक्ता अधिमित्री पेस्कोप का कहना है कि सभी ड्रोन मार गिराए गए इसलिए सबूत देने का कोई सवाल नहीं उठता। ड्रोन के मलवे को लेकर भी उन्होंने कोई साफ जवाब नहीं दिया। कुल मिलाकर पुतिन के घर पर कथित हमले के बाद हालात बेहद तनावपूर्ण है और रूस के ताजा कदम ने यूक्रेन युद्ध को एक और खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया।

जर्मनी के एक बैंक में लाखों यूरो की संपत्ति की चोरी

जर्मनी में छुट्टी के दौरान चोरों ने सेंध लगाकर एक बैंक से लाखों यूरो की संपत्ति चुरा ली। पुलिस ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि चोरों ने सेंध लगाकर सुरक्षित कक्ष तक पहुंचने के लिए ड्रिल मशीन का इस्तेमाल किया था। पुलिस और स्पारकासे नामक बैंक ने बताया कि इस चोरी से बैंक के लगभग 2,700 खाताधारकों को नुकसान हुआ है। पुलिस प्रवक्ता थॉमस नोवाचजिक ने बताया कि जांचकर्ताओं का मानना है कि चोरी की कुल राशि 10 से 90 मिलियन यूरो (लगभग 11.7 से 105.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के बीच हो सकती है। जर्मन समाचार एजेंसी डीपीए के मुताबिक यह चोरी जर्मनी की सबसे बड़ी चोरियों में से एक हो सकती है। डीपीए ने बताया कि बैंक मंगलवार को बंद था। सोमवार सुबह चार बजे के आसपास एक फायर अलार्म बजने पर पुलिस और दमकलकर्मी बैंक शाखा पहुंचे। उन्होंने पाया कि वहां दीवार में एक छेद हुआ था और लूट की वारदात को अंजाम दिया गया था।

भाई से मिलने पहुंचीं थीं इमरान खान की बहनें

पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहनों को मंगलवार को एक बार फिर अडियाला जेल में उनसे मिलने से रोक दिया गया। परिवार और पार्टी नेताओं ने रावलपिंडी स्थित जेल के बाहर धरना प्रदर्शन करके इसका विरोध किया। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) द्वारा 24 मार्च को जारी आदेश के बावजूद उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री से मिलने की अनुमति नहीं दी गई, जिसमें इमरान खान को सप्ताह में दो बार, मंगलवार और गुरुवार को मिलने की अनुमति देने का प्रावधान था। इमरान खान की बहन अलीमा खान को जेल के बाहर विरोध प्रदर्शन करने के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पीटीआई के अधिकारियों ने बार–बार दावा किया है कि अदालत के निर्देश का पालन नहीं किया जा रहा है। पत्रकारों से बात करते हुए इमरान की बहन अलीमा खान ने कहा कि वह और उनकी बहनें अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगी और घटनास्थल नहीं छोड़ेंगी। उन्होंने इमरान खान से परिवार को मिलने से रोकने के लिए अधिकारियों की आलोचना की और राज्य की कार्रवाई पर सवाल उठाए। पीटीआई नेताओं ने सरकार से अदालत के आदेश का सम्मान करने और परिवार के सदस्यों और पार्टी प्रतिनिधियों को अपने संस्थापक से नियमित रूप से मिलने की अनुमति देने का आग्रह किया है। अलीमा ने कहा कि जेल में बंद पीटीआई नेता ने खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी से एक बड़े विरोध प्रदर्शन की तैयारी शुरू करने को कहा है। पीटीआई महासचिव सलमान अकरम राजा ने कहा कि कैदियों को अपने परिवार के सदस्यों से मिलना बुनियादी मानवाधिकार है। उन्होंने दावा किया कि इमरान खान को फिलहाल एकांत कारावास में रखा गया है। राजा ने आगे कहा कि पार्टी नेताओं को पता है कि मुलाकात के उनके अनुरोध को अस्वीकार किया जा सकता है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

हमारा झगड़ा, हमारा समाधान! चीन के मध्यस्थता दावे पर भारत का कड़ा रुख, `तीसरे की भूमिका स्वीकार नहीं'

अमेरिका के बाद, अब चीन भी भारत–पाकिस्तान संघर्ष में ष्मध्यस्थताष का श्रेय लेना चाहता है। बीजिंग ने मंगलवार को दावा किया कि उसने इस साल की शुरुआत में दोनों देशों के बीच तनाव कम करने में भूमिका निभाई थी, जो मई 2025 में दोनों पड़ोसी देशों के बीच सैन्य टकराव के महीनों बाद हुआ था। ये टिप्पणियां चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने बीजिंग में अंतरराष्ट्रीय स्थिति और चीन के विदेश संबंधों पर एक चर्चा के दौरान कीं। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, वांग ने कहा कि दुनिया संघर्षों और अस्थिरता में तेज़ी से वृद्धि देख रही है। उन्होंने कहा कि स्थानीय युद्ध और सीमा पार संघर्ष दूसरे विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद से किसी भी समय की तुलना में बढ़ गए हैं। उनके अनुसार, भू–राजनीतिक अनिश्चितता क्षेत्रों में फैलती जा रही है।

चीन ने किया 'मध्यस्थता' का दावा, भारत ने दिया करारा जवाब

चीन द्वारा 'मध्यस्थता' किए गए प्रमुख संवेदनशील मुद्दों में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव भी शामिल रहे। भारत का यह कहना रहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच सात से 10 मईके दौरान संघर्ष का समाधान दोनों देशों की सेनाओं के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच सीधी बातचीत के माध्यम से हुआ था। भारत लगातार यह कहता रहा है कि भारत और पाकिस्तान से संबंधित मामलों में किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के लिए कोई जगह नहीं है। भारतीय सशस्त्र बलों ने सात मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। बीजिंग में आयोजित अंतरराष्ट्रीय हालात और चीन के विदेश संबंधों पर संगोष्ठी में वांग ने कहा, "इस साल, द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद से किसी भी समय की तुलना में स्थानीय युद्ध और सीमा पार संघर्ष अधिक बार भड़के। भू–राजनीतिक उथल–पुथल लगातार फैलती जा रही है।" उन्होंने कहा, "स्थायी शांति स्थापित करने के लिए, हमने एक वस्तुनिष्ठ और तर्कसंगत रुख अपनाया है, और लक्षणों और मूल कारणों दोनों को संबोधित करने पर ध्यान केंद्रित किया है।" उन्होंने कहा, गतिरोध वाले मुद्दों को सुलझाने के लिए चीन के इस दृष्टिकोण का अनुसरण करते हुए, हमने उत्तरी म्यांमा, ईरान के परमाणु मुद्दे, पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव, फलस्तीन और इजराइल के मुद्दों तथा कंबोडिया और थाईलैंड के बीच हालिया संघर्ष में मध्यस्थता की। इस वर्ष 7 से 10 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष में चीन की भूमिका, विशेष रूप से उसके द्वारा पाकिस्तान को प्रदान की गई सैन्य सहायता, गंभीर जांच और आलोचना के दायरे में आ गई। कूटनीतिक मोर्चे पर, चीन ने सात मई को भारत और पाकिस्तान से संयम बरतने का आह्वान किया था। चीन की विदेश नीति संबंधी पहल पर अपने संबोधन में वांग ने भारत और चीन के बीच संबंधों में सुधार की अच्छी गति का जिक्र किया और इस वर्ष अगस्त में तियानजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बीजिंग द्वारा आमंत्रित किये जाने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, "इस वर्ष हमने भारत और उत्तर कोरिया के नेताओं को चीन में आमंत्रित किया। चीन–भारत संबंधों में अच्छी गति देखने को मिली और उत्तर कोरिया के साथ पारंपरिक मित्रता और मजबूत हुई तथा उसे और बढ़ावा मिला।" उन्होंने यह भी कहा कि एससीओ शिखर सम्मेलन एक शानदार सफलता थी। वांग यी ने कहा कि पड़ोसी देशों के साथ चीन का जुड़ाव अब साझा भविष्य वाले समुदाय के निर्माण के एक नए चरण में प्रवेश कर गया है, जो अब और तेज गति से आगे बढ़ रहा है।

जॉर्जिया मेलनी के देश से हमास को फंडिंग, करोड़ों डॉलर का चंदा किसने दिया?

इटली से आई एक बड़ी खबर ने यूरोप की राजनीति और मिडिल ईस्ट संघर्ष को लेकर एक नई बहस खड़ी कर दी। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलनी के नेतृत्व वाली इटली में सुरक्षा एजेंसियों ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है। जिन पर आरोप है कि वे फिलिस्तीन के समर्थन में चंदा इकट्ठा कर रहे थे। लेकिन सवाल यह खड़ा होने लगा कि क्या यह केवल हमास को फंडिंग का मामला है या फिर यह गाजा में हो रहे संघर्ष के खिलाफ उड़ती एक वैश्विक आवाज का हिस्सा है। इटली की पुलिस का कहना है कि यह लोग मानवीय सहायता के नाम पर पैसे इकट्ठा कर रहे थे। इस रकम का एक बड़ा हिस्सा हमास से जुड़े संगठनों तक पहुंचा। लेकिन दूसरी तरफ इन संगठनों से जुड़े लोगों का दावा है कि वे फिलिस्तीनी नागरिकों की मदद कर रहे थे जो सालों से युद्ध, नाकेबंदी और बमबारी का सामना कर रहे हैं।

फिलिस्तीन के लिए मदद जांच में जिन तीन संगठनों का नाम सामने आया वे खुद को राहत और मानवाधिकार से जुड़ा संगठन बताते हैं। इनका कहना है कि गसा में अस्पताल, अनाथ बच्चे और विस्थापित परिवार अंतरराष्ट्रीय मदद से वंचित हैं और ऐसे में फिलिस्तीन की मदद करना उनका नैतिक कर्तव्य बनता है। समर्थकों का तर्क है कि पश्चिमी देशों में यूक्रेन या दूसरे युद्ध क्षेत्रों के लिए फंड इकट्ठा करना जायज माना जाता है। तो फिर फिलिस्तीन के लिए मदद को अपराध क्यों माना जा रहा है? पुलिस के मुताबिक करीब 70 लाख यूरो इकट्ठा भी किए जा चुके हैं। जिनमें से 71: रकम उन संस्थाओं तक पहुंची जिनका संबंध हमास से बताया गया।

पुलिस ने 80 लाख यूरो से अधिक की संपत्ति की जब्त

अभियोजकों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों ने कथित तौर पर पिछले दो वर्षों में मानवीय उद्देश्यों के लिए जुटाए गए लगभग 70 लाख यूरो (82 लाख डॉलर) हमास से जुड़े संगठनों को हस्तांतरित कर दिए। पुलिस ने 80 लाख यूरो से अधिक की संपत्ति जब्त की। पुलिस ने कहा कि अधिकारियों ने एक फ़िलिस्तीनी समर्थक चौरिटी के कार्यालयों और संदिग्धों के घरों से 10 लाख यूरो नकद बरामद किए हैं, साथ ही हमास का समर्थन करने वाली सामग्री भी बरामद की है, जो दो साल से चल रहे गाजा युद्ध में इज़राइल का शत्रु है।

इजरायली खुफिया एजेंसियों ने जांच में की मदद

इजरायली रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि इजरायली खुफिया और आतंकवाद–विरोधी एजेंसियों ने ष्स्थापित और सहमत चौनलों के माध्यम से इतालवी कानून प्रवर्तन अधिकारियों को जानकारी और सबूत मुहैया कराकरष योगदान दिया। रक्षा मंत्री इसराइल काट्ज़ ने कहा कि इज़राइल हर आतंकवादी और उनका समर्थन करने वाले किसी भी व्यक्ति का पीछा करेगा, चाहे वह विदेश में ही क्यों न हो।

युद्ध की तैयारी में लगे युनूस? बांग्लादेश ने तुर्किए से लिया हथियार

भारत का दुश्मन देश दुनिया के किसी भी हिस्से में क्यों ना हो तुर्की उसके साथ अपने रिश्ते बना ही लेता है। चाहे पाकिस्तान हो, चीन हो या फिर बांग्लादेश। तुर्की भारत के खिलाफ क्यों हो गया है और भारत के दुश्मनों का इतना करीबी क्यों बनता जा रहा है? तुर्की और बांग्लादेश ने वो प्लान रचा है जिसने दुनिया के होश उड़ा दिए हैं। बांग्लादेश जो पाकिस्तान की राह पर चल रहा है। पाकिस्तान बनने की कोशिश कर रहा है। अब उसने तुर्की के साथ हाथ मिलाकर एक नई साजिश रच डाली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शेख हसीना के जाने के बाद मोहम्मद यूनुस के राज्य में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच दोस्ती नई ऊंचाइयों पर पहुंच रही है।

पाकिस्तान भी बहुत बड़े पैमाने पर तुर्की से हथियार खरीदता है। तुर्की के राष्ट्रपति एदोर्गन को दक्षिण एशिया में हथियार बेचकर कमाई का बड़ा मौका भी दिख रहा है। और इसी के चलते अब खबरें यह भी आ रही है कि बांग्लादेश की वायुसेना तुर्की के क्रिटिक सेमी एक्टिव लेजर गाइडेड मिसाइलों को खरीदने जा रही है। इसमें मल्टीपवेज वॉर हेड भी शामिल है। यही नहीं तुर्की का इरादा भविष्य में जमीनी हथियार बंद वाहन और अटैक हेलीकॉप्टर भी लेने का है। बांग्लादेश ने पहले ही तुर्की के बायर तार टीबी2 ड्रोन भी खरीदा है। इससे वह भारतीय सीमा पर लगातार निगरानी भी करता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बांग्लादेश के रक्षा मंत्रालय एक टेंडर निकालने का नाटक कर रहे हैं। लेकिन इसमें तुर्की के क्रिटिक वेपन सिस्टम को खरीदना तय माना जा रहा है। इस मिसाइल को तुर्की की कंपनी बनाती है। मिसाइल की मदद से किसी भी स्थिर पर और किसी भी सड़क पर दौड़ते हुए हथियारबंद वाहन या फिर गैर हथियारबंद लक्ष्यों को तबाह किया जा सकता है। आइए अब जान लेते हैं कि भारत पर क्या होगा तुर्की की मिसाइल का असर। तो बता दें कि तुर्की की यह मिसाइल 70 एमएम के रॉकेट और गाइडेड एंटी टैंक मिसाइल के बीच अंतर को पाटने का काम करेगी। तुर्की की कंपनी का दावा है कि इस मिसाइल से आसानी से विभिन्न प्लेटफार्म में फिट किया जा सकता है।

दक्षिण एशिया में तुर्की का रक्षा प्रभाव

यद्यपि दिल्ली के लिए अपनी सर्वोच्चता पर सवाल न उठाना स्वाभाविक है, लेकिन इसके प्रभाव की सीमाओं पर इसके सबसे करीबी पड़ोसी देशों द्वारा भी काफी समय से सवाल उठाए जा रहे हैं। पिछले साल, बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शनों के बीच भारत समर्थित सरकार के गिरने के बाद और दिल्ली द्वारा अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना को शरण देने के बाद, जिन्होंने भारत में शरण ली थी और जिन्हें हाल ही में उनकी अनुपस्थिति में मृत्युदंड दिया गया था, भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए थे। तुर्की–भारत संबंध आम तौर पर पाकिस्तानी दृष्टिकोण से देखे जाने की गलत धारणा के कारण सावधानीपूर्वक आगे बढ़े हैं। हालांकि, हाल के वर्षों में इनमें सुधार हुआ है, विशेष रूप से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस्लामाबाद को अंकारा के राजनयिक समर्थन और उसके बाद क्षेत्र में उन पक्षों के साथ दिल्ली की एकजुटता के बाद, जिनके साथ अंकारा का टकराव रहा है, जैसे कि ग्रीक साइप्रस प्रशासन, ग्रीस और आर्मेनिया। यह इस निराधार दावे पर आधारित है कि अंकारा इन पक्षों को नापसंद करता है और प्रतिशोध या जैसे को तैसा की भावना से काम करता है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।